Kamal.Sandesh   kamalsandesh.org   KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-16   16-31 अगस्त, 2023 (पाक्षिक)   ₹20

राजस्थान: भाजपा के पक्ष में जनता क्लीन स्वीप करने को तैयार

प्रधानमंत्री का सीकर (राजस्थान) प्रवास

‘विकसित गांव से ही भारत विकसित हो सकता है’

सूरजकुंड (हरियाणा) में 7 अगस्त, 2023 को आयोजित 'क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद्' के उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

जयपुर (राजस्थान) में 29 जुलाई, 2023 को प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 28 जुलाई, 2023 को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

रामनाथपुरम में 28 जुलाई, 2023 को तमिलनाडु भाजपा द्वारा आयोजित 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

पुणे में 6 अगस्त, 2023 को सहकारी समितियों के संचालन को सरल बनाने के लिए 'डिजिटल पोर्टल' का शुभारंभ करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

द्रास में 26 जुलाई, 2023 को 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर भारत के बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **केंद्र की सरकार किसानों की पीड़ा और आवश्यकताओं को समझती है: नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए देश के विभिन्न स्थानों से आज के कार्यक्रम में शामिल होने वाले करोड़ों किसानों के प्रति सम्मान व्यक्त किया और कहा कि खाटू श्याम जी की भूमि भारत के कोने-कोने से आने वाले...

12 **कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार 'गृह लूट' सरकार है : जगत प्रकाश नड्डा**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 जुलाई, 2023 को जयपुर...

13 **केंद्रीय गृहमंत्री का मध्यप्रदेश एवं तमिलनाडु प्रवास**
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 30 जुलाई, 2023 को इंदौर, मध्य प्रदेश में...

16 **प्रधानमंत्री ने देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की रखी आधारशिला**
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छह अगस्त को एक ऐतिहासिक कदम के रूप में वीडियो...

30 **बांग्लादेश अवामी लीग के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की**
बांग्लादेश अवामी लीग के पांच सदस्य प्रतिनिधिमंडल ने 07 अगस्त, 2023 को...

ब्लॉग
मदन दास देवी जी: भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा के प्रतीक / **नरेन्द्र मोदी** 20

श्रद्धांजलि
मदन दास देवी जी नहीं रहे 22
'मदन दास देवी जी को व्यक्ति की क्षमता और उसकी सीमाओं को पहचानने में महारत हासिल थी' 23

लेख
सहकारिता से होकर निकलेगा किसानों की उन्नति का रास्ता / **राजकुमार चाहर** 26

अन्य
कांग्रेस ने राजस्थान में सरकार चलाने के नाम पर सिर्फ लूट की दुकान चलाई है, झूठ का बाजार सजाया है: नरेन्द्र मोदी 08
क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् सम्मेलन, सूरजकुंड (हरियाणा) 10
प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में त्रिस्तरीय पंचायती राज का अभूतपूर्व सबलीकरण हुआ है : जगत प्रकाश नड्डा 11
भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा 14
पंचायत चुनाव के दौरान भारी हिंसा, भाजपा ने की सीबीआई जांच की मांग 15
प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र परिसर का किया उद्घाटन 18
मोदी स्टोरी 24
कमल पुष्प 24
संसद में भाजपा 28
'मन की बात' 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ. प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

हमने देश के विकास को नकारात्मक राजनीति से ऊपर उठकर एक मिशन के रूप में लिया है। किस राज्य में किसकी सरकार है, कहां किसका वोट-बैंक है, इन सबसे ऊपर उठकर हम पूरे देश में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं।

(6 अगस्त, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान व गुजरात में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान 'पीएम किसान सम्मान निधि' के अंतर्गत करोड़ों कृषक भाइयों के बैंक खाते में सीधे 14वीं किस्त हस्तांतरित की व 1.25 लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्र राष्ट्र को समर्पित किए। 'अंत्योदय ही लक्ष्य' को चरितार्थ करती भाजपा सरकार जन-जन के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

(27 जुलाई, 2023)

अमित शाह

बूथ के कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण ही भाजपा की विचारधारा जन-जन तक पहुंच रही है। उनके अथक परिश्रम का ही परिणाम है कि पार्टी चुनावों में लगातार विजयी हो रही है। इंदौर के बूथ सम्मेलन में आए कार्यकर्ताओं के जोश व उत्साह से ये साफ है कि प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बननेवाली है।

(30 जुलाई, 2023)

राजनाथ सिंह

कारगिल विजय दिवस पर देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा देने वाले सभी योद्धाओं को नमन!

(26 जुलाई, 2023)

बी.एल. संतोष

25,000 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट से 508 रेलवे स्टेशनों का विकास किया जाएगा। कल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इसके पैमाने और प्रभाव की कल्पना करें। यह वही प्रणाली है, जो कुछ साल पहले तक संघर्ष कर रही थी।

(5 अगस्त, 2023)

डॉ. के. लक्ष्मण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में रेलवे का अभूतपूर्व कायाकल्प हो रहा है। आज 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत 508 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प से संबंधित परियोजना का शिलान्यास होने जा रहा है।

(6 अगस्त, 2023)

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
रक्षा बंधन (30 अगस्त)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के 8.5 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 14वीं किस्त के रूप में 17,000 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए। यह मोदी सरकार के देश के छोटे एवं सीमांत किसानों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ध्यान देने योग्य है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत होने से अब तक 2.6 लाख करोड़ से भी अधिक रुपए किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित हुए हैं। ये सहायता किसानों के लिए खेती के मौसम में उनकी नकद आवश्यकताओं के लिए एक वरदान साबित हुए हैं। अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही मोदी सरकार का किसान, कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र पर विशेष ध्यान रहा है और उन्हें समर्थ एवं सक्षम बनाने के लिए अनेक अभिनव योजनाओं के माध्यम से उन्हें सहायता एवं राहत दी जा रही है। यह मोदी सरकार की किसान की आवश्यकताओं के प्रति तत्परता एवं संवेदनशीलता ही है कि जब पूरे विश्व में खाद के दाम आसमान छू रहे हैं, भारत में सरकार द्वारा अभूतपूर्व रूप से भारी सब्सिडी के द्वारा इनके मूल्य स्थिर रखे गए हैं। एक ओर जहां कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हो रहा है, वहीं दूसरी ओर न केवल फसलों की एमएसपी लागत के डेढ़ गुणा की गई है, साथ ही खरीदी भी कई गुणा अधिक बढ़ा दी गई है। कई नई फसलों की भी एमएसपी पर खरीदी शुरू होने के कारण पूरे देश में किसानों को अपनी फसलों के लाभकारी मूल्य प्राप्त हो रहे हैं।

> **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत होने से अब तक 2.6 लाख करोड़ से भी अधिक रुपए किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित हुए हैं। ये सहायता किसानों के लिए खेती के मौसम में उनकी नकद आवश्यकताओं के लिए एक वरदान साबित हुए हैं**

संसद का मानसून सत्र जो कांग्रेसनीत विपक्ष के दुष्प्रचार तथा संसदीय कार्यवाही में व्यवधान से शुरू हुआ, उसमें विपक्ष के नकारात्मक रवैय्ये के बाद भी कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए। जैव विविधता (संशोधन) विधेयक-2021, मध्यस्थता विधेयक-2021, मल्टी स्टेट कॉ-ऑपरेटिव (संशोधन) विधेयक, 2021, संविधान (अनु.जनजाति) आदेश (तीसरा संशोधन) विधेयक, 2022, पांचवां संशोधन विधेयक, 2022, जनविश्वास विधेयक, 2022, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023, जैसे विधेयक जिस पर देश में चर्चा हो रही थी, पारित हुए। जहां मध्यस्थता विधेयक भारत में मध्यस्थता की प्रक्रिया के सुगम बनाता है तथा समुदायों, संस्थाओं एवं ऑनलाइन मध्यस्थता को विवाद सुलझाने का स्वीकार्य एवं सुलभ माध्यम बनाता है, वहीं जनविश्वास विधेयक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर निकाल तर्कसंगत बना विश्वास युक्त सुशासन की ओर एक सुदृढ़ कदम है। साथ ही, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक दिल्ली में केंद्र सरकार के कानून बनाने के अधिकार, शासन में नियुक्तियां एवं सेवा शर्तों के विनियमन के अधिकार सुनिश्चित करता है। यह मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है कि विपक्ष के नकारात्मक राजनीति, व्यवधानों और संसद की कार्यवाही को रोकने के प्रयास के बावजूद इतने महत्वपूर्ण विधेयक जनहित में पारित हुए। संसद का मानसून सत्र जब अब भी चल रहा है, विपक्ष को जनता की आवाज को सुनते हुए सरकार से सहयोग करना चाहिए ताकि संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक साथ देश के 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के शिलान्यास से एक नया इतिहास रचा गया है। पुनर्विकास के कार्य, रेलवे के व्यापक विस्तार एवं विद्युतीकरण, फ्रेट कॉरिडॉर के कार्य, वंदे भारत ट्रेनों एवं कई अभिनव पहलों से भारतीय रेल का कायाकल्प हो गया है। अब इसकी विश्व की एक सक्षम एवं समर्थ संस्था में गिनती हो रही है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि, नेतृत्व एवं संकल्प का ही परिणाम है कि जिस रेलवे को देश पर पर भार के रूप में देखा जा रहा था, आज वह एक बहुमूल्य संपत्ति बन गई है। आज जब एक नया भारत अंगड़ाई ले रहा है, 'अमृतकाल' में विकसित भारत' का स्वप्न निश्चय ही एक सच्चाई लग रही है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री का सीकर (राजस्थान) दौरा

केंद्र की सरकार किसानों की पीड़ा और आवश्यकताओं को समझती है: नरेन्द्र मोदी

पीएम-किसान के अंतर्गत लगभग 17,000 करोड़ रुपये की 14वीं किस्त राशि जारी तथा 1.25 लाख से अधिक पीएम किसान समृद्धि केंद्र राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 जुलाई को राजस्थान के सीकर में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में 8.5 करोड़ लाभार्थियों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत लगभग 17,000 करोड़ रुपये की 14वीं किस्त राशि जारी की। साथ ही, श्री मोदी ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया और राष्ट्र को समर्पित की। इन परियोजनाओं में 1.25 लाख से अधिक पीएम किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) को राष्ट्र को समर्पित करना, सल्फर के साथ लेपित यूरिया की एक नई किस्म यूरिया गोल्ड लॉन्च करना, डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) पर 1600 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को शामिल करना, 5 नए मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन, 7 मेडिकल कॉलेजों का शिलान्यास और 6 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन शामिल है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने सीकर में एक विशाल रैली को भी संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए देश के विभिन्न स्थानों से आज के कार्यक्रम में शामिल होने वाले करोड़ों किसानों के प्रति सम्मान व्यक्त किया और कहा कि खाटू श्याम जी की भूमि भारत के कोने-कोने से आने वाले तीर्थयात्रियों को आश्वस्त करती है। उन्होंने शेखावाटी की वीर भूमि से विभिन्न विकास कार्यक्रमों की शुरुआत करने का अवसर मिलने पर आभार व्यक्त किया और करोड़ों किसान-लाभार्थियों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के अंतर्गत किस्त सीधे हस्तांतरित करने का उल्लेख किया।

श्री मोदी ने देश में 1.25 लाख से अधिक पीएम किसान समृद्धि केंद्रों को राष्ट्र को समर्पित करने बारे में कहा कि इससे गांव और ब्लॉक स्तर पर करोड़ों किसानों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पर किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के जुड़ने का भी उल्लेख किया और कहा कि इससे किसानों के लिए देश के किसी भी हिस्से से अपनी उपज को बाजार तक ले जाना आसान हो जाएगा। उन्होंने यूरिया गोल्ड, नए मेडिकल कॉलेजों और एकलव्य मॉडल स्कूलों के शुभारंभ का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र की वर्तमान सरकार किसानों की पीड़ा और जरूरतों को समझती है। श्री मोदी ने बताया कि कैसे पिछले 9 वर्षों में बीज से बाजार (बीज से बाजार तक) तक नई प्रणालियां बनाई गई हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2015 में सूरतगढ़ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की गई थी। इस योजना के माध्यम से करोड़ों किसान मिट्टी के स्वास्थ्य के बारे में ज्ञान के

आधार पर अधिकतम निर्णय ले रहे हैं।

वर्षांत से पहले अतिरिक्त 1.75 लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्र

श्री मोदी ने कहा कि 1.25 लाख किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) किसानों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इन केंद्रों को किसानों की आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप शॉप के रूप में विकसित किया जा रहा है। ये केंद्र किसानों को कृषि से संबंधित मुद्दों पर उन्नत आधुनिक जानकारी भी प्रदान करेंगे और सरकार की कृषि योजनाओं के बारे में भी समय पर जानकारी प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्षांत से पहले अतिरिक्त 1.75 लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) स्थापित किए जाएंगे।

श्री मोदी ने कहा कि वर्तमान सरकार किसानों के खर्चों को कम करने और जरूरत के समय उनकी सहायता करने के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि का जिक्र करते हुए कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी योजना है, जहां किसानों के बैंक खातों में सीधे धन हस्तांतरित किया जाता है।

उन्होंने बताया कि आज की 14वीं किस्त को शामिल किया जाए तो अब तक 2 लाख 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है, जो विभिन्न खर्चों को कवर करने में किसानों के लिए लाभकारी रही है। श्री मोदी ने कहा कि देश में यूरिया की कीमत सरकार द्वारा किसानों का खर्च बचाने का उदाहरण है। कोरोना वायरस महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उर्वरकों में आई बाधा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि वर्तमान सरकार ने इसे देश के किसानों पर इसका असर नहीं पड़ने दिया।

श्री मोदी ने उर्वरकों की कीमतों के बारे में बताया कि यूरिया की जिस बोरी की कीमत भारत में 266 रुपये है, उसका मूल्य पाकिस्तान में लगभग 800 रुपये, बांग्लादेश में लगभग 720 रुपये, चीन में लगभग 2100 रुपये और अमेरिका में लगभग 3000 रुपये है।

प्रधानमंत्री ने मोटे अनाजों को बढ़ावा देने और उनकी ब्रांडिंग श्री अन्न के रूप में करने जैसे उपायों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि श्री अन्न के प्रचार-प्रसार के माध्यम से इसके उत्पादन, प्रसंस्करण और निर्यात में वृद्धि हो रही है। श्री मोदी ने अपनी हाल की यात्रा के दौरान व्हाइट हाउस के आधिकारिक रात्रिभोज में मोटे अनाज की उपस्थिति को याद किया।

भारत का विकास तभी संभव है जब उसके गांवों का विकास हो

श्री मोदी ने कहा कि भारत का विकास तभी संभव है जब उसके गांवों का विकास हो। विकसित गांवों के साथ ही भारत विकसित हो सकता है। यही कारण है कि सरकार गांवों में वे सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है, जो अब तक केवल शहरों में उपलब्ध थीं। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य अवसंरचना के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान में 9 वर्ष पहले तक केवल दस मेडिकल कॉलेज थे। आज यह संख्या 35 तक पहुंच गई है। इससे आस-पास के क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार हो रहा है और मेडिकल छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर मिल रहे हैं।

> 1.25 लाख किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) किसानों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इन केंद्रों को किसानों की आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप शॉप के रूप में विकसित किया जा रहा है। ये केंद्र किसानों को कृषि से संबंधित मुद्दों पर उन्नत आधुनिक जानकारी भी प्रदान करेंगे और सरकार की कृषि योजनाओं के बारे में भी समय पर जानकारी प्रदान करेंगे। वर्षांत से पहले अतिरिक्त 1.75 लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) स्थापित किए जाएंगे

उन्होंने कहा कि आज जिन मेडिकल कॉलेजों का उद्‌घाटन किया जा रहा है और जिनका शिलान्यास किया जा रहा है, उनसे राज्य के कई क्षेत्रों में चिकित्सा अवसंरचना में सुधार होगा। जैसाकि चिकित्सा शिक्षा को सुलभ बनाया जा रहा है, श्री मोदी ने मातृभाषा में मेडिकल शिक्षा प्रदान करने, इसे और लोकतांत्रिक बनाने और वंचित वर्गों के लिए रास्ते खोलने के कदम का भी उल्लेख किया। अब किसी गरीब का बेटा या बेटी अंग्रेजी न जानने के कारण डॉक्टर बनने के अवसर से वंचित नहीं रहेगा। यह भी मोदी की गारंटी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों तक गांवों में अच्छे स्कूलों और शिक्षा की कमी के कारण गांव और गरीब भी पीछे छूट गए थे और अफसोस जताया कि पिछड़े और जनजातीय समाज के बच्चों के पास अपने सपनों को पूरा करने का कोई साधन नहीं था। श्री मोदी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा के लिए बजट और संसाधनों में वृद्धि की है और एकलव्य आवासीय विद्यालय खोले हैं, जिससे जनजातीय युवाओं को काफी लाभ हुआ है।

श्री मोदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। श्री अशोक गहलोत पिछले कुछ समय से बीमार हैं और इस कार्यक्रम में नहीं आ सके। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया, केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी भी उपस्थित थे। ■

कांग्रेस ने राजस्थान में सरकार चलाने के नाम पर सिर्फ लूट की दुकान चलाई है, झूठ का बाजार सजाया हैः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सीकर में 27 जुलाई, 2023 को एक चुनावी सभा को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि एक ओर जहां केंद्र की भाजपा सरकार कल्याणकारी योजनाओं के जरिए जन-जन के सुख-दुःख की साथी बनकर उनका जीवन आसान बनाने में जुटी है, वहीं कांग्रेस सरकार ने यहां झूठ की दुकान और लूट का बाजार सजा रखा है। इस दुकान का नया प्रोडक्ट है—लाल डायरी। ये कांग्रेस का डिब्बा गोल कर देगी। लोग कह रहे हैं कि लाल डायरी के पन्ने खुले तो अच्छे-अच्छे निपट जाएंगे। श्री मोदी ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नाम बदलने पर कहा कि जब कोई कंपनी बदनाम हो जाए तो मालिक तुरंत उसका नाम बदल देता है और नया बोर्ड लगाकर काम शुरू करता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का गठबंधन ऐसी फ्रॉड कंपनियों की नकल कर रही है। यूपीए का नाम बदलकर आईएनडीआईए रख लिया है। नाम इसलिए बदला है, ताकि ये कर्ज माफी के नाम पर किसानों से विश्वासघात छिपा सकें। आतंकवाद के आगे घुटने टेकने की बात छिपा सकें।

लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था

श्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत श्याम बाबा, शाकंभरी माता, जीण माता और सालासर बालाजी को प्रणाम करते हुए की। उन्होंने कहा कि राजस्थान की छवि शांति प्रिय प्रदेश की रही है। लेकिन अब कांग्रेस के राज में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था के कारण आए दिन गैंगवॉर की खबरों ने इसकी साख बिगाड़ दी है। राजस्थान में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। यहां तक कि हमारे तीज-त्यौहारों पर भी खतरा मंडराता है। कब पत्थर-गोलियां चलने लगें, कब कर्फ्यू लग जाए, कोई नहीं जानता।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोग कुछ भी बर्दाश्त कर सकते हैं, लेकिन बहन-बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ कभी बर्दाश्त नहीं कर सकते। मां पद्मावती और पन्ना धाय की इस धरती की बेटियों के साथ जो हो रहा है, वो आक्रोश से भर देता है। किसी दलित बेटी के साथ दुष्कर्म होता है और फिर उस पर एसिड डाल दिया जाता है। पुलिस में रिपोर्ट तक नहीं लिखी जाती और बेखौफ आरोपी वीडियो वायरल करते हैं। यहां तक कि छोटी-छोटी बच्चियां, स्कूलों में पढ़ाने वाली टीचर्स भी यहां सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में राजस्थान के कोने-कोने से एक ही गूंज सुनाई पड़ रही है—बहन-बेटियों और दलितों पर अत्याचार, नहीं सहेगा राजस्थान! कांग्रेस सरकार की कार्यशैली का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लूट की दुकान के नए प्रोडक्ट 'लाल डायरी' में इसके काले कारनामे दर्ज हैं। यही वजह है कि कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं की इस लाल डायरी का नाम सुनते ही बोलती बंद हो रही है। इन लोगों ने सरकार का हर दिन आपसी खींचतान और वर्चस्व की लड़ाई में ही बर्बाद किया है।

भाजपा का सबका साथ, सबका विकास में विश्वास

श्री मोदी ने कहा कि जब केंद्र में 10 साल कांग्रेस की सरकार थी तो राजस्थान को सेंट्रल ग्रांट के रूप में 50 हजार करोड़ रुपये ही मिले थे। जबकि बीते 9 वर्षों में भाजपा की केंद्र सरकार ने टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में राजस्थान को 4 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा पहुंचाए हैं। क्योंकि भाजपा का सबका साथ, सबका विकास में विश्वास है, लेकिन जबसे यहां कांग्रेस की सरकार बनी है, तबसे विकास कार्यों में सिर्फ रोड़े अटकाने का काम चल रहा है। हमने

राजस्थान सहित पूरे देश की बहनों से वादा किया था कि उनके घर तक पाइप से पानी पहुंचाएंगे। इसके लिए जल जीवन मिशन शुरू किया। आज देश में 9 करोड़ से अधिक नए परिवारों तक पानी के कनेक्शन पहुंच चुके हैं। लेकिन राजस्थान के लोगों को कांग्रेस की सरकार पानी के लिए भी तरसा रही है। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों गरीबों को पक्का घर देकर लखपति बनाने की गारंटी हो या मुफ्त राशन की गारंटी, भाजपा सरकार ने ही दी है। कोरोनाकाल में मुफ्त वैक्सीन और जनऔषधि केंद्र में सस्ती दवाइयां भाजपा सरकार ने ही दी हैं। यह हमारी ही सरकार है, जिसने गरीबों के बच्चों के लिए मातृभाषा में पढ़ाई की गारंटी दी, ताकि वे अंग्रेजी न जानने के चलते डॉक्टर-इंजीनियर बनने में पीछे न रह जाएं।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़

युवाओं की शिक्षा और रोजगार का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार तो युवाओं को रोजगार के नित-नए अवसर देने में जुटी है। लेकिन राजस्थान में प्रतिभावान युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। पेपरलीक उद्योग चल रहा है। यहां सत्ताधारी दल के लोगों पर ही पेपरलीक माफिया होने का आरोप लग रहा है। राजस्थान के युवाओं को पेपरलीक माफिया से बचाने के लिए कांग्रेस सरकार को हटाना ही होगा। उन्होंने कहा कि यूपीए के कुकर्म लोगों को याद न आएं, इसलिए इन्होंने अपना नाम यूपीए से बदलकर आईएनडीआईए कर दिया है। यूपीए ने नाम बदला है, ताकि ये आतंकवाद के सामने घुटने टेकने का अपना पाप छिपा सकें। ताकि ये कर्जमाफी के नाम पर किसानों से विश्वासघात को छिपा सकें। इंडिया नाम तो ईस्ट इंडिया कंपनी में भी था। कांग्रेस के शासनकाल में सिमी (SIMI) यानी स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया बना था। नाम में इंडिया था, लेकिन मिशन आतंकी हमलों से भारत को बर्बाद करने का था। सिमी को बैन किया तो ये नया नाम लेकर आए— पीएफआई (PFI) यानी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया। नए नाम में भी इंडिया, लेकिन काम वही पुराना था। एक बार इन्होंने नारा दिया था इंदिरा इज इंडिया (India), इंडिया (India) इज इंदिरा। और तब देश की जनता ने इनका हिसाब चुकता किया था। अहंकार से भरे इन लोगों ने फिर वही पाप दोहराया है। ये लोग कह रहे हैं यूपीए इज इंडिया (UPA is India), इंडिया इज यूपीए (India is UPA)...इनका जनता एक बार फिर वही हाल करेगी, जो पहले किया था।

भ्रष्टाचार—क्विट इंडिया

श्री मोदी ने कहा कि आजादी के आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने एक नारा दिया था। ये नारा लोगों की प्रेरणा बना और इसने आजादी के आंदोलन में नई ऊर्जा भर दी थी। नौजवान स्कूल-कॉलेज में किताबें छोड़कर आजादी के लिए निकल पड़े थे। आज फिर से देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए उस नारे की जरूरत है। महात्मा गांधी ने नारा दिया था क्विट इंडिया—अंग्रेजों इंडिया छोड़ो। वैसे ही आज हम समृद्ध भारत बनाने का संकल्प लेकर चल रहे हैं। जैसे गांधी जी ने क्विट इंडिया का मंत्र दिया था, वैसे ही आज का मंत्र हैः भ्रष्टाचार—क्विट इंडिया। परिवारवाद—क्विट इंडिया। तुष्टिकरण—क्विट इंडिया। क्विट इंडिया ही देश को बचाएगा और देश को विकसित भारत बनाएगा।

राजस्थान के लिए भी भाजपा का रोडमैप

अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राजस्थान के लिए भी भाजपा का रोडमैप स्पष्ट है, नीति साफ है। आने वाले 5 साल में जब भारत दुनिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी होगा, तो उसमें राजस्थान की बहुत बड़ी हिस्सेदारी होगी। भाजपा सरकार बनते ही यहां भ्रष्टाचारियों और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भाजपा की डबल इंजन सरकार बिना रुके, बिना थके काम करेगी। राजस्थान के पास सामर्थ्य की कमी नहीं है। राजस्थान के विकास की आकांक्षा जन-जन के मन में है और भाजपा की सरकार इसे पूरा करेगी। इससे पहले उन्होंने इस अवसर पर किसान सम्मान निधि योजना की 14वीं किस्त जारी की। इसके साथ ही देश के साढ़े 8 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 2000 रुपये सीधे पहुंच गए। ■

भाजपा राष्ट्रीय किसान मोर्चा ने 1.25 लाख किसान समृद्धि केंद्र राष्ट्र को समर्पित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया

भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजकुमार चाहर ने भाजपा किसान मोर्चा और देश के समस्त किसानों की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 1.25 लाख किसान समृद्धि केंद्र राष्ट्र को समर्पित करने, सल्फर लेपित यूरिया (यूरिया गोल्ड) का शुभारंभ करने और 27 जुलाई, 2023 को सीकर, राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 14वीं किस्त के तहत 8.5 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 17000 करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित जाने पर धन्यवाद दिया।

एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर के किसानों के लिए किसान समृद्धि केंद्र समर्पित किये है, इन केंद्रों के माध्यम से किसान एक ही छत के नीचे बीज, उर्वरक, खाद, कीटनाशक आदि प्राप्त कर सकेंगे। इन केंद्रों पर भारत सरकार की योजनाओं की सारी जानकारी एवं भारत सरकार की योजनाओं से जुड़ने के लिए समस्त व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी।

श्री राजकुमार चाहर ने कहा कि पिछले 9 वर्षों से श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, उनके सशक्तीकरण और उनकी समृद्धि के लिए अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। ■

कांग्रेस शासन में पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त करने के ठोस प्रयास नहीं हुएः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अगस्त, 2023 को सूरजकुंड में भाजपा के क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज देश विकसित भारत के निर्माण के लिए पूरे उत्साह से आगे बढ़ रहा है।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने पंचायतों की अनदेखी की, आजादी के बाद 4 दशक तक कांग्रेस को ये समझ ही नहीं आया था कि गांवों में पंचायती राज व्यवस्था लागू करना कितना आवश्यक है। इसके बाद जो जिला पंचायत व्यवस्था बनी भी, उसे कांग्रेस शासन में अपने हाल पर छोड़ दिया था। यानी गांव में बसने वाली देश की दो तिहाई आबादी के लिए अपनी सड़क, बिजली, पानी, बैंक, घर के लिए, तरसना ही उनकी नियति बन गई थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उस जैसी सोच वाले दलों ने पंचायतों को अपने भ्रष्टाचार और भ्रष्ट नेताओं के एडजस्टमेंट का अड्डा बना दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि आजादी के सात दशक बाद भी देश के 18 हजार गांवों तक बिजली नहीं पहुंच सकी, देश के 16 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों को नल से जल नहीं मिल सका था।

श्री मोदी ने कहा, "कांग्रेस के राज में पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त करने के ठोस प्रयास कभी नहीं किए गए और ज्यादातर कार्रवाई आंकड़ों और कागजों में ही सीमित रही, जम्मू-कश्मीर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। आर्टिकल 370 हटने के बाद वहां पहली बार ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक के चुनाव हुए हैं। इनमें अब वहां 33 हजार से ज्यादा स्थानीय जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुए हैं और पहली बार वहां जमीनी स्तर पर लोकतंत्र स्थापित हुआ है।"

देशभर में पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए भाजपा सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भाजपा सरकार ने जिला परिषद् और स्थानीय स्वराज को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। पंचायती राज संस्थाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया है। पिछले 9 वर्षों में देश में 30 हजार से ज्यादा नए पंचायत घरों का निर्माण हुआ है। इसके अलावा अनेक क्षेत्रों में डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट काउंसिल और ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल के लिए नए ऑफिस बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "भाजपा के प्रतिनिधि के तौर पर, आपको पंचायत व्यवस्था का लाभ समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाना है। आज केंद्र सरकार हर योजना के शत प्रतिशत सैचुरेशन का लक्ष्य लेकर चल रही है। ये तभी संभव है जब गांव-गांव में हम इस लक्ष्य को हासिल करें।"

> **2014 के बाद से भाजपा सरकार ने जिला परिषद् और स्थानीय स्वराज को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। पंचायती राज संस्थाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया है**

किसानों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि लक्ष्य यही रखना है कि एक भी किसान, केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। वहीं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए देशव्यापी अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने हर जिला पंचायत अध्यक्ष, काउंसिल अध्यक्ष से ये भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके जिले में कम से कम से 5 गांव, केमिकल फ्री फॉर्मिंग करें।

उन्होंने डिजिटल इंडिया अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के ग्रामीण क्षेत्र ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया है। 2014 के पहले हमारे देश में 100 से भी कम ग्राम पंचायतें ऑप्टिकल फाइबर से जुड़ी हुई थीं। आज भारत नेट के जरिए दो लाख ग्राम पंचायतें आप्टिकल फाइबर से जुड़ चुकी हैं।

श्री मोदी ने गरीबों की चर्चा करते हुए कहा कि गरीब को विश्वास है कि 'जहां कमल का निशान है, वहां गरीब कल्याण है। ■

प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में त्रिस्तरीय पंचायती राज का अभूतपूर्व सबलीकरण हुआ है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 7 अगस्त, 2023 को हरियाणा के सूरजकुंड में आयोजित भाजपा के दो दिवसीय क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया और क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् को संबोधित किया। प्रधानमंत्रीजी ने इस महत्वपूर्ण बैठक का वर्चुअल उद्घाटन किया और बैठक के उद्घाटन स्तर को संबोधित किया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर, हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख व राजस्थान के जिला पंचायतों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष शामिल हुए।

श्री नड्डा ने कहा कि जब प्रधानमंत्रीजी से इस कार्यक्रम में शामिल होने का सविनय आग्रह किया गया, तो उन्होंने अविलंब हामी भरते हुए इस कार्यक्रम में आने की अपनी स्वीकारोक्ति दे दी। भारतीय जनता पार्टी की ओर से हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का इस कार्यक्रम में हृदय से स्वागत करते हैं।

क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् कार्यक्रम का ब्योरा देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। विगत नौ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में त्रिस्तरीय पंचायती राज का जिस प्रकार सबलीकरण हुआ है, ऐसा पूर्व में कभी देखा नहीं गया था। प्रधानमंत्रीजी का विचार था कि भाजपा से जुड़े जिला परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मेयर, डिप्टी मेयर, नगर परिषद के अध्यक्षों की सेंसटाइजेशन और ट्रेनिंग होनी चाहिए। प्रधानमंत्रीजी द्वारा दिए गए निर्देश पर भाजपा ने एक वृहत् योजना बनायी। पिछले साल देशभर के सभी मेयरों की ट्रेनिंग हुई और उन्हें इससे सम्बंधित जानकारियां भी दी गईं।

उन्होंने कहा कि आप (प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी) के नेतृत्व में जिस तरीके से पंचायती राज का सबलीकरण हुआ है, वह हमलोगों को प्रेरणा देती है और सीखने का अवसर भी देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिस्तरीय पंचायती राज की स्वायतत्ता बनाए रखते हुए इनका जिस प्रकार आर्थिक सशक्तीकरण किया है, वह पहले कभी देखने को नहीं मिला था।

> **प्रधानमंत्रीजी से इस कार्यक्रम में शामिल होने का सविनय आग्रह किया गया, तो उन्होंने अविलंब हामी भरते हुए इस कार्यक्रम में आने की अपनी स्वीकारोक्ति दे दी। भारतीय जनता पार्टी की ओर से हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का इस कार्यक्रम में हृदय से स्वागत करते हैं।**
>
> **क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् कार्यक्रम का ब्योरा देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद् कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं**

कांग्रेस के शासन काल में जनकल्याणकारी योजनाओं की हुई दुर्दशा को उजागर करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि मैं जब पहली बार विधायक बना था, तब उस समय एक ब्लॉक में दो लाख रुपए आ जाए, तो बहुत बड़ी बात समझी जाती थी। किसी पंचायत को साल में एक लाख रुपए मिल जाए, तो बहुत बड़ी बात होती थी। इसके बाद जब उन राशि से किसी योजना का कार्यान्वयन होता था, तो उसमें भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार व्याप्त होता था।

श्री नड्डा ने अपना एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि मैं जब 1993 में विधायक बना था, तब उस समय इंदिरा आवास योजना हुआ करती थी। उस समय ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर आकर कहा करते थे कि नड्डाजी, आपको इस बार दो पंचायतों में इंदिरा आवास योजना की एक आवास बनाने का अवसर दिया गया है। यह एक धर्म संकट जैसी स्थिति हो जाती थी कि दो पंचायत में एक मकान किसको दी जाए? यह तो एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति थी। लेकिन आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 4 करोड़ पक्के मकान बनाकर लाभार्थियों को दिए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल इंडिया और जैम पोर्टल का उपयोग करते हुए योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता लाई। पारदर्शिता के माध्यम से पंचायती राज संस्थानों को आज अर्थिक दृष्टि से बहुत बड़ी ताकत मिली है, जिससे योजनाएं सही तरीके से कार्यान्वित भी रही है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन से गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, दलित, महिला, युवा और किसानों, सबको ताकत मिली है। पिछले नौ सालों में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल आदि अनेक योजनाएं चलायी गयी हैं। इस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में त्रिस्तरीय पंचायती राज का संपूर्ण सबलीकरण हुआ है। अब त्रिस्तरीय पंचायती राज में हमारे चुने हुए जनप्रतिनिधियों की जिम्मेवारी और भी बढ़ गयी है। ■

कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार 'गृह लूट' सरकार है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 जुलाई, 2023 को जयपुर, राजस्थान में एक प्रेस-वार्ता को संबोधित किया और राजस्थान की बदहाल कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला।

श्री नड्डा ने कहा कि आज मैं दिन भर चुनाव के दृष्टिकोण से पार्टी की रणनीतियों पर पार्टी नेताओं के साथ चर्चा कर रहा हूं। मैंने पार्टी के राज्यव्यापी आंदोलन 'नहीं सहेगा राजस्थान' की जानकारी ली है। पेपर लीक, महिला अत्याचार, भ्रष्टाचार, दलित अत्याचार आदि ज्वलंत विषयों को लेकर गहलोत सरकार के खिलाफ 1 अगस्त को जयपुर में सचिवालय का घेराव किया जाएगा। सही मायने में राजस्थान की जनता अब गहलोत सरकार को एक मिनट भी बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है। मैं आश्वस्त हूं कि आनेवाले राजस्थान विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को एकतरफा आशीर्वाद देगी और भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। इसके साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में जनता एक बार पुनः क्लीन स्वीप करने को तैयार बैठी है।

श्री नड्डा ने कहा कि जिस तरीके का वातावरण मैं राजस्थान में देख रहा हूं, वह अद्भुत है। जिस तरह से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आम नागरिकों का जो सशक्तीकरण हुआ है, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाय, कम है। गांव, गरीब, किसान, दलित, पिछड़े, शोषित, वंचित, युवा एवं महिलाओं का सही मायने में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में सशक्तीकरण हुआ है।

> **राजस्थान की कांग्रेस सरकार में हर स्तर पर भ्रष्टाचार है। आज हर तरफ लाल डायरी की चर्चा है। जब पाप का घड़ा भरता है तो इसी तरीके से उजागर होता है। महिला उत्पीड़न की घटनाएं राजस्थान में चरम पर हैं**

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार 'गृह लूट' सरकार है। इनका एक ही मकसद है—राजस्थान को लूटो और दिल्ली के आकाओं को खुश करो। राजस्थान की कांग्रेस सरकार में हर स्तर पर भ्रष्टाचार है। आज हर तरफ लाल डायरी की चर्चा है। जब पाप का घड़ा भरता है तो इसी तरीके से उजागर होता है। महिला उत्पीड़न की घटनाएं राजस्थान में चरम पर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक़ हर दिन राजस्थान में औसतन 18-19 बलात्कार के मामले दर्ज हो रहे हैं, 7-8 हत्या के मामले आ रहे हैं। राजस्थान में लगभग 24 हजार महिलाओं से दुष्कर्म के रिपोर्ट सामने आये हैं। दलित महिलाओं के खिलाफ भी अपराध बहुत बढ़ गया है। गहलोत सरकार को शर्म आनी चाहिए। जो राजस्थान शांतिप्रिय प्रदेश के लिए जाना जाता है, संस्कार और संस्कृति के लिए जाना जाता है, जिसका अपना गौरवमयी इतिहास रहा है, उस राजस्थान में महिलाओं का सम्मान के बजाय महिलाओं का अपमान हो, यह जनता कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान में किसानों का कर्जा माफ़ करने की बात कही थी लेकिन कांग्रेस की सरकार ने लगभग 19,500 किसानों को कुर्की के नोटिस थमा दिए हैं। आज राजस्थान में किसानों की हालत बदहाल है। वे अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने जो पैसे भेजे हैं, उसका भी यहां की सरकार ने सही से उपयोग नहीं किया है। कांग्रेस सरकार में हर कोई लूटने पर लगा है। राजस्थान इसे सहने वाला नहीं है। 2022 में दलितों के खिलाफ अत्याचार के एक साल में लगभग 8,000 मामले सामने आये हैं। युवाओं के लिए भी राजस्थान की सरकार ने कुछ भी नहीं किया है। पेपर लीक से लेकर कई घटनाएं ऐसी सामने आई हैं कि युवा भी अपने-आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। युवा भी गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए आतुर हैं। ■

मोदीजी और शिवराजजी की जोड़ी ने मध्य प्रदेश को विकसित राज्य बनाया है : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 30 जुलाई, 2023 को इंदौर, मध्य प्रदेश में बूथ सम्मेलन को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं से हर बूथ पर भाजपा को विजयी बनाने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और राज्य सरकार में मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत की छवि बदली है और भारत एवं भारतवासियों के मान-सम्मान में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने हर क्षेत्र में देश को आगे बढ़ाने का काम किया है। उनके नेतृत्व में धारा 370 का उन्मूलन हुआ, आतंकवाद पर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक हुआ और अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण की शुरुआत हुई।

श्री शाह ने कहा कि 2003 से लेकर अब तक भाजपा की जितनी भी सरकारें चलीं, उन्होंने और बाद में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की जोड़ी ने मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य से निकालकर विकसित राज्य बनाया है। आज मालवा में हर घर में बिजली पहुंची है। शिवराज सिंह सरकार गेहूं, चावल और अन्य फसल एमएसपी पर खरीद रही है। जब कांग्रेस की सरकार थी, तब ऐसा नहीं होता था। मैं 'श्रीमान बंटाधार' और 'करप्शन नाथ जी' से पूछने आया हूं कि आप मध्य प्रदेश के बजट का आकार कितना छोड़कर गए थे? वे लोग मध्य प्रदेश का बजट केवल 23 हजार करोड़ रुपये छोड़कर गए थे। वर्ष 2023 मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 3.24 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। सर्व शिक्षा अभियान का बजट लगभग 8 गुना बढ़ा है। एससी-एसटी और ओबीसी का बजट लगभग 60 गुना बढ़ा है।

श्री शाह ने कहा कि आज आप सभी बूथ कार्यकर्ता संकल्प लें कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाना है और 2024 के लोकसभा चुनाव में 29 की 29 लोकसभा सीटें भाजपा की झोली में डालनी है। ■

'एन मन, एन मक्कल यात्रा' तमिलनाडु को भ्रष्टाचार एवं परिवारवाद से मुक्त करने की यात्रा है

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 28 जुलाई, 2023 को तमिलनाडु प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री के. अन्नामलाई के नेतृत्व में भाजपा की राज्यव्यापी पदयात्रा 'En Mann En Makkal' (मेरा देश, मेरे लोग) अभियान को रामेश्वरम बस स्टैंड, रामनाथपुरम (तमिलनाडु) से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा छह महीने तक चलेगी और राज्य के सभी 39 लोक सभा क्षेत्रों और 234 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी। यह अभियान पांच चरणों में चलेगा। 11 जनवरी, 2024 को इस पदयात्रा का समापन होगा। इस यात्रा में लगभग 10 हजार किमी की यात्रा वाहन से और लगभग 700 किमी पदयात्रा की जायेगी। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जारी केंद्र की भाजपा-नीत एनडीए सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जाएगा। साथ ही 'What did Modi Do' नामक उपलब्धि पुस्तिका की लगभग एक लाख प्रतियां भी वितरित की जाएंगी। यात्रा के दौरान 10 प्रमुख रैलियों कई छोटी-छोटी सभाएं भी आयोजित होंगी। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री के अन्नामलाई, केंद्रीय मंत्री श्री एल मुरुगन, एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता श्री आरबी उदयकुमार, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सीटी रवि, तमिलनाडु के प्रभारी श्री पी सुधाकर रेड्डी, न्यू जस्टिस पार्टी के अध्यक्ष श्री एसी शनमुगम, तमिल मनीला कांग्रेस के अध्यक्ष श्री जी के वासन, आईएमकेएमके के अध्यक्ष श्री टी देवनाथन यादव, भाजपा की महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानिती श्रीनिवासन, श्री पोन राधाकृष्णन और पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री नैनार नागेंद्रन भी उपस्थित थे। श्री शाह ने 'What did Modi Do' पुस्तिका का लोकार्पण किया।

श्री शाह ने कहा कि रामनाथ स्वामी के सान्निध्य से हमारे नेता अन्नामलाई यात्रा लेकर तमिलनाडु भर में पैदल चलने के लिए निकले हैं। 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा केवल राजनीतिक नहीं बल्कि यह यात्रा तमिल भाषा को पूरी दुनिया में पहुंचाने की यात्रा है, तमिल संस्कृति को कश्मीर से कन्याकुमारी और कोलकाता से सोमनाथ तक पहुंचाने की यात्रा है और महान तमिल संस्कृति को समग्र राष्ट्र के लोगों के मन में सम्मान पैदा करने की कवायद है। 'एन मन, एन मक्कल यात्रा' तमिलनाडु को भ्रष्टाचार और परिवारवाद से मुक्त करने की यात्रा है, तमिलनाडु के क़ानून और व्यवस्था को अच्छा बनाने का प्रयास है और तमिलनाडु में विकास एवं गरीब कल्याण का युग शुरू करने की यात्रा है। ■

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 जुलाई, 2023 को निम्नलिखित केंद्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की है-

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष		**प्रदेश**
1.	डॉ. रमन सिंह, विधायक	छत्तीसगढ़
2.	श्रीमती वसुंधरा राजे, विधायक	राजस्थान
3.	श्री रघुबर दास	झारखंड
4.	श्री सौदान सिंह	केंद्र-चंडीगढ़
5.	श्री बैजयंत पांडा	ओडिशा
6.	सुश्री सरोज पाण्डेय, सांसद	छत्तीसगढ़
7.	श्रीमती रेखा वर्मा, सांसद	उत्तर प्रदेश
8.	श्रीमती डी.के. अरुणा	तेलंगाना
9.	श्री एम. चौबा एओ	नागालैंड
10.	श्री अब्दुल्ला कुट्टी	केरल
11.	श्री लक्ष्मीकांत बाजपेयी, सांसद	उतर प्रदेश
12.	सुश्री लता उसेंडी	छत्तीसगढ़
13.	श्री तारिक मंसूर, विधान परिषद् सदस्य	उत्तर प्रदेश
राष्ट्रीय महामंत्री		
1.	श्री अरुण सिंह, सांसद	उत्तर प्रदेश
2.	श्री कैलाश विजयवर्गीय	मध्य प्रदेश
3.	श्री दुष्यंत कुमार गौतम	दिल्ली
4.	श्री तरुण चुग	पंजाब
5.	श्री विनोद तावड़े	महाराष्ट्र
6.	श्री सुनील बंसल	केंद्र-दिल्ली
7.	श्री संजय बंदी, सांसद	तेलंगाना
8.	श्री राधाममोहन अग्रवाल, सांसद	उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)		
1.	श्री बी. एल. संतोष	केंद्र-दिल्ली
राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री		
1.	श्री शिवप्रकाश	केंद्र-मुंबई
राष्ट्रीय सचिव		
1.	श्रीमती विजया राहटकर	महाराष्ट्र
2.	श्री सत्या कुमार	आंध्र प्रदेश
3.	श्री अरविन्द मेनन	दिल्ली
4.	श्रीमती पंकजा मुंडे	महाराष्ट्र
5.	डॉ. नरेन्द्र सिंह रैना	पंजाब
6.	श्रीमती (डॉ.) अल्का गुर्जर	राजस्थान
7.	श्री अनुपम हाजरा	पश्चिम बंगाल
8.	श्री ओमप्रकाश धुर्वे	मध्य प्रदेश
9.	श्री ऋतुराज सिन्हा	बिहार
10.	श्रीमती आशा लाकड़ा	झारखंड
11.	श्री कामख्या प्रसाद तासा, सांसद	असम
12.	श्री सुरेन्द्र सिंह नागर, सांसद	उत्तर प्रदेश
13.	श्री अनिल अंटोनी	केरल
कोषाध्यक्ष		
1.	श्री राजेश अग्रवाल	उत्तर प्रदेश
सह-कोषाध्यक्ष		
1.	श्री नरेश बंसल	उत्तराखंड

पंचायत चुनाव के दौरान भारी हिंसा, भाजपा ने की सीबीआई जांच की मांग

भाजपा के वरिष्ठ नेता, सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद और प. बंगाल पंचायत चुनाव में हुई हिंसा की जांच के लिए गठित भाजपा फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्यों ने 26 जुलाई, 2023 को पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल ग्राम पंचायत चुनाव संबंधी जितने भी आपराधिक मामले हैं, उसकी जांच सीबीआई द्वारा हो और जितने भी बमबाजी के केस हैं, उसकी जांच एनआईए से करायी जाए।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पश्चिम बंगाल ग्राम पंचायत चुनाव में हुई हिंसा को लेकर एक फैक्ट फाइडिंग कमेटी बनायी थी। यह फैक्ट फाइंडिंग टीम 12-14 जुलाई को पश्चिम बंगाल के विभिन्न पंचायातों में गई और वहां के लोगों से बातचीत कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। श्री नड्डा को फैक्ट फाइडिंग टीम ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी। फैक्ट फाइडिंग टीम के संयोजक श्री रवि शंकर प्रसाद ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई में लोकतंत्र का विकृत और शर्मनाक रूप देखने को मिला, जो दुर्भाग्य ही कहलाएगा।

फैक्ट फाइंडिंग टीम भाजपा उम्मीदवार मधुमिता मंडल के गांव गई, जिनके साथ टीएमसी कार्यकर्ताओं ने चुनाव के दौरान दुर्व्यवहार किया था। इतना ही नहीं, उनकी पुत्रवधु श्वेता जो उस समय गर्भवती थी, उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया, उनके घर तोड़ दिए गए। दुर्गा मंदिर बूथ नम्बर 125 पर 13 साल के बच्चे को फरसे मारकर उस मासूम के हाथ काट दिए गए।

रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक ट्वीट में कहा, "पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए गठित भाजपा फैक्ट फाइंडिंग टीम की रिपोर्ट प्राप्त हुई। प्रदेश सरकार का अहंकार और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति उसका अनादर निराशाजनक है। भाजपा का पश्चिम बंगाल में लोगों की आवाज के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा।''

बूथ नम्बर 179 में शांतनु पात्रा जो तमिलनाडु में राजमिस्त्री का काम करते हैं, अपने घर आया था वोट देने। उसने थोड़े-थोड़े पैसे बचाकर अपना घर बनाया था। लेकिन टीएमसी के गुंडों ने इनका घर तोड़ दिया, घर में रखे सामानों को तोड़ दिया, शांतनु की मां को बुरी तरह पीटा गया, शांतनु ने भागकर अपनी जान बचाई। इनका एक पाप यही था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की तस्वीर अपने बरामदे में लगा रखी थी। ये सभी लोग आदिवासी या अति पिछड़े हैं।

क्या पुलिस, क्या थाना इंजार्च, क्या बीडीओ, इन सबों ने मिलकर कॉपरेटिव इलेक्शन कमीशन बना डाला था। वहां की स्थिति बेहद पीड़ादायक लगी। फैक्ट फाइंडिंग टीम कनिका बर्मन से भी मिली जिन्होंने रोते-बिलखते बताया कि उनके पति जयंतो वर्मन की हत्या टीएमसी के गुंडों ने बंजारपुर में कर दी। फालिमारी जीपी में बूथ नम्बर 38 में काउंटिंग एजेंट मेहताब विश्वास के परिवार से भी फैक्ट फाइंडिंग टीम मिली जिनकी हत्या मतगणना के दिन सुबह 6 बजे कर दी गयी। एक अन्य भाजपा कार्यकर्ता कृष्णा बर्मन को इतना अधिक मारा गया कि उनकी दाहिने आंख की रोशनी चली गयी। टीम के सदस्य जब मिशन अस्पताल उनसे मिलने पहुंचे, तब कृष्णा बर्मन ने कहा कि हमारे घर पर अभी अभी हमला हो रहा है, क्योंकि आपलोग हमसे मिलने आए हैं। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राजस्थान में बलात्कार और हत्या मामले की जांच के लिए समिति बनाई

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 04 अगस्त, 2023 को राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और हत्या की जघन्य घटना की जांच के लिए पार्टी की चार महिला सांसदों की एक जांच समिति का गठन किया।

पार्टी ने एक वक्तव्य में कहा कि भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पांडे इस समिति की संयोजक होंगी और इसके अन्य सदस्यों में श्रीमती रेखा वर्मा, श्रीमती कांता कर्दम एवं श्रीमती लॉकेट चटर्जी शामिल हैं। इसमें आगे कहा गया है कि श्री नड्डा ने इस क्रूर घटना की कड़ी निंदा की है और राजस्थान में विशेषकर महिलाओं के खिलाफ अपराध के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की है। यह समिति अपराध स्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट श्री जगत प्रकाश नड्डा को सौंपेगी। ■

हरियाणा, असम एवं त्रिपुरा और अंडमान निकोबार के नए भाजपा महामंत्री (संगठन) नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 जुलाई, 2023 को श्री फणींद्र नाथ शर्मा, श्री जीआर रवींद्र राजू और श्री विवेक दधकर को क्रमशः हरियाणा, असम एवं त्रिपुरा और अंडमान निकोबार प्रदेश इकाइयों का नया महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। ■

प्रधानमंत्री ने देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छह अगस्त को एक ऐतिहासिक कदम के रूप में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश भर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। 24,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में 55, राजस्थान में 55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22, गुजरात में 21, तेलंगाना में 21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश में 18, तमिलनाडु में 18, हरियाणा में 15 और कर्नाटक में 13 स्टेशन शामिल हैं।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भारत, जो विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वह अमृत काल के उदय पर है। श्री मोदी ने कहा कि 'नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नए संकल्प' हैं और यह भारतीय रेल के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने बताया कि देश के लगभग 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशनों को अब आधुनिकता के साथ 'अमृत भारत स्टेशन' के रूप में पुनर्विकसित किया जाएगा और उन्हें नया जीवन मिलेगा।

श्री मोदी ने बताया कि 1300 रेलवे स्टेशनों में से आज लगभग 25,000 करोड़ रुपये की लागत से 508 अमृत भारत स्टेशनों की आधारशिला रखी जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुनर्विकास परियोजना रेलवे के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी देश में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़ा अभियान होगा।

यह देखते हुए कि इसका लाभ देश के सभी राज्यों तक पहुंचेगा, श्री मोदी ने उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश में लगभग 4,000 करोड़ रुपये की लागत से 55 अमृत स्टेशन विकसित किए जाएंगे और राजस्थान में भी 55 स्टेशन अमृत स्टेशन बनाएं जाएंगे, मध्य प्रदेश में लगभग 1,000 करोड़ रुपये की लागत से 34 स्टेशन, महाराष्ट्र में 1,500 करोड़ रुपये की लागत से 44 स्टेशन और तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में प्रमुख रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने रेलवे के दर्जे को देश की जीवन रेखा बताते हुए कहा कि इसके साथ ही शहरों की पहचान उन रेलवे स्टेशनों से भी जुड़ी है, जो समय व्यतीत होने के साथ शहरों की केंद्रस्थली बन गए हैं। इससे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप प्रदान करना अनिवार्य हो गया है। ■

कोयले की कीमत में भारी कमी; राष्ट्रीय कोयला सूचकांक में 33.8% की बड़ी गिरावट

कोयला मंत्रालय द्वारा 26 जुलाई को जारी एक बयान के अनुसार राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (एनसीआई) में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मई, 2022 में 238.3 अंक की तुलना में मई, 2023 में 33.8 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 157.7 अंक पर रह गया। यह बाजार में कोयले की मजबूत आपूर्ति के साथ-साथ बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए इसकी पर्याप्त उपलब्धता भी दर्शाता है।

इसी प्रकार, गैर-कोकिंग कोयले के लिए मई, 2022 की तुलना में 34.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ मई, 2023 में एनआईसी 147.5 अंक पर रह गया। कोकिंग कोल सूचकांक भी मई, 2023 में 32.6% की गिरावट के साथ 187.1 अंक पर रहा। एनसीआई का उच्चतम बिंदु जून, 2022 में दर्ज किया गया था, जब 238.8 अंक तक पहुंच गया था। हालांकि, इसमें बाद के महीनों में गिरावट दर्ज की गई, जो भारतीय बाजार में पर्याप्त मात्रा में कोयले की उपलब्धता को दर्शाता है।

कोयला नीलामी पर अधिमूल्य उद्योग के मनोभाव को भी दर्शाता है और कोयला नीलामी अधिमूल्य में तेज गिरावट बाजार में पर्याप्त कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करती है। भारत का कोयला उद्योग पर्याप्त भंडार की पुष्टि करता है, जिसमें कोयला कंपनियों के पास प्रभावशाली भंडार है। कोयले पर निर्भर विभिन्न क्षेत्रों के लिए यह उपलब्धता एक निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करती है, जो राष्ट्र की समग्र ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देती है। ■

जुलाई, 2023 के लिए सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1,65,105 करोड़ रुपये रहा

जीएसटी की शुरुआत से पांचवीं बार सकल जीएसटी संग्रह 1.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ तथा घरेलू लेन-देन (सेवाओं के आयात सहित) से प्राप्त राजस्व वर्ष-दर-वर्ष 15 प्रतिशत अधिक रहा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक अगस्त को जारी विज्ञप्ति के अनुसार जुलाई, 2023 महीने में संग्रह किया गया सकल जीएसटी राजस्व 1,65,105 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सीजीएसटी 29,773 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 37,623 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 85,930 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र 41,239 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,779 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर संग्रहित 840 करोड़ रुपये सहित) रहा।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी में 39,785 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 33,188 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। नियमित भुगतान के बाद जुलाई, 2023 महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 69,558 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 70,811 करोड़ रुपये है।

जुलाई, 2023 महीने का राजस्व पिछले साल के इसी महीने में प्राप्त जीएसटी राजस्व से 11 प्रतिशत अधिक है। इस मास के दौरान घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से प्राप्त राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 15 प्रतिशत अधिक है। ऐसा पांचवीं बार है, जब सकल जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। ■

31 जुलाई, 2023 तक 6.77 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल करने का नया रिकॉर्ड; साल-दर-साल 16.1% की रिकॉर्ड वृद्धि

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक अगस्त को जारी बयान के अनुसार 31 जुलाई, 2023 तक 6.77 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का नया रिकॉर्ड बना, जो 31 जुलाई, 2022 तक दाखिल असेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए कुल आईटीआर (5.83 करोड़) से 16.1% अधिक है।

आईटीआर की फाइलिंग 31 जुलाई, 2023 (वेतनभोगी करदाताओं और अन्य गैर-कर ऑडिट मामलों के लिए नियत तारीख) को सबसे ज्यादा हुई और एक ही दिन यानी 31 जुलाई, 2023 को 64.33 लाख से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए। जिन लोगों ने पहली बार आईटीआर दाखिल किया उनकी संख्या 31 जुलाई, 2023 तक 53.67 लाख रही, जिससे करदाताओं में होते विस्तार का सही अंदाजा लगाया जा सकता है। ■

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2022-23 में 6,23,10,598 ऋण किए गए स्वीकृत

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के अंतर्गत वित्त वर्ष 2022-23 में 6,23,10,598 ऋण स्वीकृत किये गए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने 31 जुलाई को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का उद्देश्य नवीन अथवा मौजूदा सूक्ष्म इकाइयों/उद्यमों को 10 लाख रुपये तक संस्थागत वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करना है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने पिछले दो वर्षों के दौरान इस योजना के तहत ऋण लेने वाले लोगों को स्वीकृत किये गए ऋणों की संख्या के बारे में भी बताया, जो वित्त वर्ष के आधार पर इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष 2021-22 — 5,37,95,526
वित्तीय वर्ष 2022-23 — 6,23,10,598

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण देने वाले सदस्य संस्थानों (एमएलआई) अर्थात् अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और सूक्ष्म वित्तीय संस्थानों (एमएफआई) द्वारा 10 लाख रुपये तक का समानान्तर-मुक्त संस्थागत ऋण प्रदान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति, जो इस योजना के तहत ऋण लेने हेतु पात्रता रखता है और उसके पास लघु व्यवसाय या उद्यम करने के उद्देश्य से व्यावसायिक योजना है, तो वह विनिर्माण, व्यापार व सेवा जैसे क्षेत्रों में आय सृजन की गतिविधियों तथा कृषि से संबद्ध कार्यों के लिए योजना के अनुसार ऋण प्राप्त कर सकता है। इन ऋणों को तीन श्रेणियों में प्राप्त किया जा सकता है अर्थात् शिशु (50,000/- रुपये तक का ऋण), किशोर (50,000/- रुपये से अधिक और 5 लाख रुपये तक का ऋण) तथा तरुण (5 लाख रुपये से अधिक व 10 लाख रुपये तक का ऋण)। ■

प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र परिसर का किया उद्घाटन

इसके भव्य बहुउद्देश्यीय हॉल और प्लेनरी हॉल की संयुक्त क्षमता 7,000 लोगों की है, जो ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध सिडनी ओपेरा हाउस की बैठने की क्षमता से भी बड़ी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 जुलाई को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने जी-20 सिक्के और जी-20 टिकट का भी अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने ड्रोन के माध्यम से आयोजित कन्वेंशन सेंटर के नामकरण समारोह और इस अवसर पर प्रदर्शित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम को भी देखा। श्री मोदी द्वारा परिकल्पित और करीब 2,700 करोड़ रुपये की लागत से एक राष्ट्रीय परियोजना के तौर पर प्रगति मैदान में विकसित नया आईईसीसी परिसर भारत को एक प्रमुख वैश्विक व्यापार गंतव्य के तौर पर स्थापित करने में मदद करेगा।

दुनिया के शीर्ष प्रदर्शनी एवं सम्मेलन परिसरों में एक

लगभग 123 एकड़ के परिसर क्षेत्र के साथ आईईसीसी कॉम्प्लेक्स को भारत के सबसे बड़े एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी) गंतव्य के रूप में विकसित किया गया है। आयोजनों के लिए उपलब्ध कवर एरिया के लिहाज से आईईसीसी कॉम्प्लेक्स दुनिया के शीर्ष प्रदर्शनी एवं सम्मेलन परिसरों में अपनी जगह बनाता है। प्रगति मैदान में नव विकसित आईईसीसी कॉम्प्लेक्स में कन्वेंशन सेंटर, एग्जिबिशन हॉल और एम्फीथिएटर आदि तमाम अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

कन्वेंशन सेंटर को प्रगति मैदान परिसर के केंद्रबिंदु के रूप में विकसित किया गया है। यह वास्तुशिल्प के लिहाज से काफी भव्य है। इसे बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों, सम्मेलनों और अन्य प्रतिष्ठित कार्यक्रमों के आयोजन के लिहाज से डिजाइन किया गया है। यह कई बैठक कक्ष, लाउंज, सभागार, एक एम्फीथिएटर एवं एक व्यापार केंद्र से सुसज्जित

है, जो इसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने में समर्थ बनाता है।

इसके भव्य बहुउद्देश्यीय हॉल और प्लेनरी हॉल की संयुक्त क्षमता सात हजार लोगों की है, जो ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध सिडनी ओपेरा हाउस की बैठने की क्षमता से भी बड़ी है। इसका शानदार एम्फीथिएटर 3,000 लोगों के लिए बैठने की क्षमता से सुसज्जित है।

सात प्रदर्शनी हॉल

आईईसीसी कॉम्प्लेक्स में सात प्रदर्शनी हॉल हैं। इनमें से हरेक हॉल प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों और व्यावसायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराता है। प्रदर्शनी हॉल को विभिन्न प्रकार के उद्योगों और दुनिया भर के उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। ये अत्याधुनिक ढांचे आधुनिक इंजीनियरिंग एवं वास्तुशिल्प कौशल के प्रमाण हैं।

5जी समर्थ वाई-फाई से लैस परिसर

कन्वेंशन सेंटर में मौजूद अन्य सुविधाओं में पूरी तरह 5जी समर्थ वाई-फाई से लैस परिसर, 10जी इंट्रानेट कनेक्टिविटी, 16 विभिन्न भाषाओं की सुविधा के साथ अत्याधुनिक तकनीक से लैस दुभाषिया कक्ष, विशाल वीडियो वॉल के साथ उन्नत एवी सिस्टम, अधिकतम कार्यक्षमता एवं ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करने वाली भवन प्रबंधन प्रणाली, डिमिंग एवं ऑक्यूपेंसी सेंसर के साथ लाइटिंग व्यवस्था, अत्याधुनिक डीसीएन (डेटा संचार नेटवर्क) प्रणाली, एकीकृत निगरानी प्रणाली और ऊर्जा-कुशल केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग प्रणाली शामिल हैं।

5,500 से अधिक वाहनों के लिए पार्किंग की जगह

आईईसीसी में आगंतुकों की सुविधा को प्राथमिकता दी गई है। वहां 5,500 से अधिक वाहनों के लिए पार्किंग की जगह उपब्ध है। सिग्नल-मुक्त सड़कों के जरिये वहां तक आसान पहुंच सुनिश्चित होती है ताकि आगंतुक बिना किसी परेशानी के कार्यक्रम स्थल तक पहुंच सकें। साथ ही, समग्र डिजाइन में उपस्थित लोगों की सहुलियत एवं सुविधा को प्राथमिकता दी गई है ताकि आईईसीसी कॉम्प्लेक्स के भीतर निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

प्रगति मैदान में नए आईईसीसी कॉम्प्लेक्स के विकास से भारत को एक प्रमुख वैश्विक व्यापार गंतव्य बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही, यह व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह लघु एवं मझौले उद्यमों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा, जिससे उनकी वृद्धि को रफ्तार मिलेगी। यह ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा भी प्रदान करेगा और सर्वोत्तम प्रथाओं, तकनीकी प्रगति एवं उद्योग के रुझानों को प्रसारित करेगा। ■

सेमीकॉन इंडिया 2023, गांधीनगर (गुजरात)

भारत सेमीकंडक्टर निवेश के लिए एक उत्कृष्ट स्थल बन रहा है: नरेन्द्र मोदी

वर्ष 2014 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण 30 अरब डॉलर से भी कम था, जो आज 100 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 जुलाई को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में सेमीकॉन इंडिया 2023 का उद्घाटन किया। सम्मेलन का विषय था— 'भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को को बढ़ावा देना।' यह भारत की सेमीकंडक्टर रणनीति और नीति को प्रदर्शित करता है, जो भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र बनाने की परिकल्पना करता है।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हम भारत के डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में समान गुणात्मक वृद्धि देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी कई गुना बढ़ गई है। वर्ष 2014 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण 30 अरब डॉलर से भी कम था, जो आज 100 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। पिछले 2 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल उपकरणों का निर्यात दोगुना हो गया है।

उन्होंने कहा कि भारत में हो रहे नीतिगत सुधारों का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के निर्माण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। श्री मोदी ने नए विनिर्माण उद्योग के लिए लागू कई करों में छूटों के बारे में भी जानकारी दी और भारत में सबसे कम कॉर्पोरेट कर की दर, फेसलेस और निर्बाध कराधान प्रक्रिया, पुराने कानूनों का उन्मूलन, कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए अनुपालन और सेमीकंडक्टर उद्योग को विशेष प्रोत्साहन दिये जाने पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि ये निर्णय और नीतियां इस तथ्य का प्रतिबिंब हैं कि भारत सेमीकंडक्टर उद्योग का जोरदार स्वागत कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत सुधार की राह पर आगे बढ़ेगा, नए अवसर पैदा होंगे। भारत सेमीकंडक्टर निवेश के लिए एक उत्कृष्ट संवाहक बन रहा है। ■

जून, 2023 के दौरान आठ प्रमुख उद्योगों में हुई 8.2 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 31 जुलाई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार आठ प्रमुख उद्योगों के संयुक्त सूचकांक में जून, 2022 के सूचकांक की तुलना में जून, 2023 के दौरान 8.2 प्रतिशत (अनंतिम) की भारी वृद्धि हुई। जून, 2023 में इस्पात, कोयला, सीमेंट, रिफाइनरी उत्पाद, प्राकृतिक गैस, उर्वरक और बिजली का उत्पादन पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में बढ़ा है।

आईसीआई आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन के संयुक्त और व्यक्तिगत प्रदर्शन को मापता है जिसमें कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली आदि शामिल हैं। आठ प्रमुख उद्योगों में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल मदों के भारांक का 40.27 प्रतिशत शामिल रहता है।

इस्पात— इस्पात उत्पादन (भारांक: 17.92 प्रतिशत) में जून, 2022 की तुलना में जून, 2023 के दौरान 21.9 प्रतिशत की की वृद्धि देखी गई। अप्रैल से जून, 2023-24 की तिमाही के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 15.9 प्रतिशत बढ़ा।

सीमेंट— सीमेंट उत्पादन (भारांक: 5.37 प्रतिशत) में जून, 2022 की तुलना में जून, 2023 के दौरान 9.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अप्रैल से जून, 2023-24 की तिमाही के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 12.2 प्रतिशत बढ़ा।

कोयला— कोयला उत्पादन (भारांक: 10.33 प्रतिशत) में जून, 2022 की तुलना में जून, 2023 के दौरान 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल से जून, 2023-24 की तिमाही के दौरान इसके संचयी सूचकांक में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

उर्वरक— उर्वरक उत्पादन (भारांक: 2.63 प्रतिशत) में जून, 2023 में जून, 2022 की तुलना में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अप्रैल से जून, 2023-24 की तिमाही के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.3 प्रतिशत बढ़ा। ■

ब्लॉग

मदन दास देवी जी भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा के प्रतीक

नरेन्द्र मोदी

देश ने हाल ही में मदन दास देवी जी जैसी महान विभूति को खोया है। उनके जाने से मेरे साथ ही लाखों कार्यकर्ताओं को जो गहरा दुःख हुआ, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। आज मन को समझाना मुश्किल है कि मदन दास जी हमारे बीच में नहीं हैं। लेकिन मदन दास जी जैसे प्रभावशाली व्यक्तित्व के विचार और मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे मदन दास जी के साथ वर्षों तक करीब से काम करने का अवसर मिला। मैंने उनकी सादगी और मृदुभाषी स्वभाव को भी बहुत नजदीक से जाना। उनका जीवन बहुत सहज था। वह पूरी तरह से संगठन को समर्पित व्यक्ति थे और मेरे पास भी लंबे समय तक संगठन के कार्यों का दायित्व रहा है। इसलिए अधिकतर समय हमारे बीच की बातचीत संगठन का विस्तार, व्यक्ति निर्माण जैसे पहलुओं पर केंद्रित रहती थी। एक बार मैंने उनसे पूछा कि वह मूल रूप से कहां के रहने वाले हैं। उन्होंने मुझे बताया कि वह तो महाराष्ट्र के सोलापुर के पास के एक गांव से आते हैं, लेकिन उनके पूर्वज गुजरात के थे। वैसे यह उन्हें पता नहीं था कि गुजरात में कहां से थे। मैंने उन्हें बताया कि देवी उपनाम से मेरे एक शिक्षक थे, जो विसनगर के रहने वाले थे। बाद में मदन दास जी विसनगर गए और मेरे गांव वडनगर भी गए। वह मुझसे अधिकतर समय गुजराती में ही बातचीत करते थे।

मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे मदन दास जी के साथ वर्षों तक करीब से काम करने का अवसर मिला। मैंने उनकी सादगी और मृदुभाषी स्वभाव को भी बहुत नजदीक से जाना। उनका जीवन बहुत सहज था। वह पूरी तरह से संगठन को समर्पित व्यक्ति थे और मेरे पास भी लंबे समय तक संगठन के कार्यों का दायित्व रहा है। इसलिए अधिकतर समय हमारे बीच की बातचीत संगठन का विस्तार, व्यक्ति निर्माण जैसे पहलुओं पर केंद्रित रहती थी

मदन दास जी धैर्यपूर्वक कार्यकर्ताओं की बातों को सुना करते थे और घंटों तक चली चर्चा को वह बहुत कम वाक्यों में संक्षेप में समेट लेते थे। उनकी एक विशेषता थी कि वह शब्दों से परे जाकर कार्यकर्ता की भावनाओं को बहुत जल्दी समझ लेते थे।

मदन दास जी की जीवन यात्रा दर्शाती है कि कैसे स्वयं को पीछे रखकर और सामान्य कार्यकर्ताओं को जोड़कर बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उनके पास चार्टर्ड अकाउंटेंट की ट्रेनिंग थी, इसलिए वह चाहते तो आरामदायक जीवन जी सकते थे, लेकिन उनके जीवन का उद्देश्य कुछ और ही था। उन्होंने राष्ट्रनिर्माण को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। भारत के युवाओं पर मदन दास जी को अटूट भरोसा था। वह देश भर के युवाओं को आपस में जोड़ने की क्षमता रखते थे। उन्होंने अपने जीवन का लंबा कार्यकाल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया।

मदन दास जी अपनी इस यात्रा में यशवंत राव केलकर जी से प्रभावित रहे, जिनके बारे में वह अक्सर बातें किया करते थे। मदन दास जी का हमेशा जोर रहता था कि एबीवीपी के कामों में अधिक से अधिक छात्राओं की भागीदारी हो, और न सिर्फ ये भागीदारी तक सीमित रहे, बल्कि छात्राएं गतिविधियों का नेतृत्व करें। वह अक्सर

> **मदन दास जी संपर्क को लेकर बहुत सेलेक्टिव थे। किससे मिलना, कब मिलना और जब मिलूंगा तो उससे क्या बात करना और इसमें कितना समय जाएगा, इन सबकी वह योजना बनाते थे। मदन दास जी के जो प्रवास और कार्यक्रम होते थे, उनमें वह कभी भी कार्यकर्ताओं पर बोझ नहीं बनते थे। मैं अंतिम समय तक सतत उनके संपर्क में रहा। मैं हाल में जब भी उनको फोन करता था तो वह चार बार पूछने के बाद ही अपनी बीमारी के बारे में बात करते थे। अन्यथा वह हंसकर टाल जाते थे। बीमारी में भी उनके मन में हमेशा यह भाव रहता था कि मैं समाज के लिए, देश के लिए क्या करूं**

कहते थे कि जब छात्राएं किसी सामूहिक गतिविधि में शामिल होती हैं तो वह प्रयास और ज्यादा संवेदनशील बन जाता है।

विद्यार्थियों से मदन दास जी का गहरा लगाव था और वह अक्सर छात्रावासों में विद्यार्थियों के बीच घुल-मिल जाते थे। आयु में फर्क होने के बावजूद वह नई पीढ़ी के साथ बहुत सहजता से तालमेल बिठा लेते थे। वह विद्यार्थियों के बीच हमेशा ऐसे काम करते रहे, जैसे जल में कमल। विद्यार्थियों के बीच रहकर भी वह कभी छात्र राजनीति का हिस्सा नहीं बने।

सामाजिक और राजनीतिक जीवन में कई ऐसे लोग हैं, जिनके जीवन को गढ़ने में मदन दास जी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। लेकिन मदन दास जी ने कभी यह प्रकट नहीं किया, क्योंकि यह उनके स्वभाव में ही नहीं था।

आजकल लोगों, प्रतिभाओं और कौशल के प्रबंधन के विचार काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। मदन दास जी यह बखूबी समझ लेते थे कि किस व्यक्ति में किस तरह का कौशल है और उसकी प्रतिभा संगठन के हित में कैसे काम आ सकती है। उनमें यह खासियत थी कि वे लोगों को उनकी क्षमताओं और प्रतिभा के अनुरूप ही दायित्व सौंपते थे। जब भी किसी कार्यकर्ता के पास कोई नया विचार होता था, तो उसकी हमेशा यह इच्छा रहती थी कि वह मदन दास जी के साथ साझा करे। इसकी एक वजह यह थी कि मदन दास जी नए विचारों को सुनने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके साथ काम करने वाले लोग खुद ही प्रेरित होते थे, इस कारण से उनके नेतृत्व में न सिर्फ संगठनों का बहुत तेजी से विकास और विस्तार हुआ, बल्कि संगठन कहीं अधिक प्रभावी और सशक्त बने।

मदन दास जी संपर्क को लेकर बहुत सेलेक्टिव थे। किससे मिलना, कब मिलना और जब मिलूंगा तो उससे क्या बात करना और इसमें कितना समय जाएगा, इन सबकी वह योजना बनाते थे। मदन दास जी के जो प्रवास और कार्यक्रम होते थे, उनमें वह कभी भी कार्यकर्ताओं पर बोझ नहीं बनते थे।

मैं अंतिम समय तक सतत उनके संपर्क में रहा। मैं हाल में जब भी उनको फोन करता था तो वह चार बार पूछने के बाद ही अपनी बीमारी के बारे में बात करते थे। अन्यथा वह हंसकर टाल जाते थे। बीमारी में भी उनके मन में हमेशा यह भाव रहता था कि मैं समाज के लिए, देश के लिए क्या करूं।

मदन दास जी का अकादमिक रिकॉर्ड काफी शानदार था। जब भी वह कुछ अच्छा पढ़ते थे, तो उसे उस विषय से संबंधित लोगों को भेज देते थे। मुझे अक्सर ऐसी चीजें उनसे प्राप्त होती थीं। अर्थशास्त्र और नीतिगत मामलों की वह बहुत गहरी समझ रखते थे। मदन दास जी ने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जिसके प्रत्येक नागरिक के लिए आत्मनिर्भरता जीवन की वास्तविकता हो। एक ऐसे समाज का निर्माण हो, जहां सम्मान, सशक्तीकरण और सामूहिक समृद्धि की भावना हो। आज भारत एक के बाद एक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनता जा रहा है, इसे देखकर उनसे ज्यादा खुश कोई नहीं होता।

आज जब हमारा लोकतंत्र जीवंत है, युवा आत्मविश्वास से भरे हैं और देश उम्मीदों, आशाओं और आकांक्षाओं से भरा है, तब मदन दास देवी जी जैसी विभूतियों को याद करना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उनका पूरा जीवन समाज की सेवा और राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित रहा। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

मदन दास देवी जी नहीं रहे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य और पूर्व सह-सरकार्यवाह श्री मदन दास देवी नहीं रहे। 24 जुलाई, 2023 को बेंगलुरु में उनका निधन हो गया।

श्री मदन दास देवी का जन्म सोलापुर जिले की करमाला तहसील में हुआ था। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के संगठन मंत्री और रा.स्व.संघ के सह-सरकार्यवाह के दायित्व का निर्वहन किया। श्री देवी का लंबी बीमारी के बाद बेंगलुरु के राष्ट्रोत्थान अस्पताल में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 जुलाई को पुणे में किया गया। रा.स्व.संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस और श्री अजीत पवार समेत अन्य कई नेता उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत ने अपने शोक संदेश में न केवल रा.स्व.संघ के लिए बल्कि लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मदन दास देवी जी के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।

उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित कर दिया: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में कहा, "श्री मदन दास देवी जी के देहावसान से अत्यंत दुःख हुआ है। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा में समर्पित कर दिया। उनसे मेरा न सिर्फ घनिष्ठ जुड़ाव रहा, बल्कि हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिला। शोक की इस घड़ी में ईश्वर सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिवारजनों को संबल प्रदान करे।"

उन्होंने सुनिश्चित किया कि विचारधारा को आगे बढ़ाया जाए: जगत प्रकाश नड्डा

अपने शोक संदेश में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने संघ की विचारधारा के प्रति श्री देवी के समर्पण एवं प्रतिबद्धता एवं अतीत में सीमित संचार संसाधनों के बावजूद कार्यकर्ताओं को जोड़े रखने के उनके प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "अतीत में संचार संसाधनों की अनुपलब्धता के बावजूद वह कार्यकर्ताओं से जुड़े रहे। उन्होंने सुनिश्चित किया कि विचारधारा को आगे बढ़ाया जाए।''

उन्होंने अपना पूरा जीवन देश और समाजसेवा में बिताया: राजनाथ सिंह

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे श्री मदन दास देवी जी के निधन से मुझे अत्यंत दुःख हुआ है। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा में खपा दिया। उनका जीवन सभी को निष्काम भाव से समाज सेवा की प्रेरणा देता है। उनका जाना समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दुःख की इस घड़ी में उनके शोकाकुल परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।"

उन्होंने अपना जीवन 'युवा शक्ति' को 'राष्ट्र शक्ति' बनाने के लिए समर्पित कर दिया: अमित शाह

पुणे में दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा, "मदन दास देवी जी का व्यक्तित्व ऐसा था कि वे जिनसे भी मिलते थे उनके जीवन में अपने उच्च सिद्धांतों की अमिट छाप छोड़ जाते थे। श्रीगुरुजी के आदर्शों पर चलते हुए उन्होंने अपना जीवन 'युवा शक्ति' को 'राष्ट्र शक्ति' बनाने में समर्पित कर दिया। उन्होंने अभाविप को वटवृक्ष की तरह पाला और इसके विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से करोड़ों कार्यकर्ता शोक में हैं। देश और विचारधारा के लिए जीने वाले ऐसे निष्ठावान स्वयंसेवक को कोटि-कोटि नमन।" ■

श्रद्धांजलि सभा, दिल्ली

'मदन दास देवी जी को व्यक्ति की क्षमता और उसकी सीमाओं को पहचानने में महारत हासिल थी'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं महान समाजसेवी आदरणीय मदनदास देवी जी की श्रद्धांजलि सभा में पहुंच कर उन्हें अपनी और भारतीय जनता पार्टी की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञात हो कि आदरणीय श्री मदनदास देवी जी का 24 जुलाई 2023 को बेंगलुरु में निधन हो गया था। श्री नड्डा ने 25 जुलाई को पुणे जाकर उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धा सुमन भी अर्पित किया था।

श्रद्धेय मदनदास देवी जी की श्रद्धांजलि सभा में बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि सम्माननीय मदनदास देवी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए इतनी बड़ी संख्या में तीन पीढ़ियों के कार्यकर्ता एकत्रित हुए हैं, यह श्रद्धेय मदनदास देवी जी के व्यक्तित्व, कृतित्व, त्याग एवं उनकी तपस्या को दर्शाता है। कहा जाता है कि किसी व्यक्ति की पहचान उसकी लंबी छाया से होती है। आज लाखों कार्यकर्ता आदरणीय मदनदास देवी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रभावित होकर अपना जीवन समाज के लिए लगाया है, यही मदनदास देवी जी के जीवन का सूत्र है। उनका स्वभाव सबके लिए बहुत ही सरल, सहज और कोमल था जबकि खुद के लिए बहुत ही कठोर था। उन्होंने जिस समय छात्रों के बीच काम किया, वह कोई अनुकूल परिस्थिति नहीं थी बल्कि हमारे लिए बहुत ही प्रतिकूल परिस्थिति थी। उस प्रतिकूल समय में स्टूडेंट एक्टिविज्म को खड़ा करना, लाखों कार्यकर्ताओं को समर्पित भाव से खड़ा करना, इमरजेंसी जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी संगठन को आगे बढ़ाना, आदरणीय मदनदास देवी जी की खूबी थी।

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय मदनदास देवी जी को व्यक्ति की क्षमता और उसकी सीमाओं को पहचानने में महारत हासिल थी। वे व्यक्ति की ताकत भी जानते थे, सीमाएं भी जानते थे और उसके अनुकूल क्या कार्य देना है, इसे ध्यान में रख कर ही वे उस व्यक्ति को काम देते थे। हम लोगों ने सामूहिकता में अनामिकता की बात उनसे ही सुना था।

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय मदनदास देवी जी किसी भी विषय के अंतिम पड़ाव तक बहुत ही संयम के साथ बैठते थे। मुझे याद है कि मैं किसी विषय में कहता था कि फैसला नहीं हुआ, तो वे कहते थे कि समय के अनुसार विषय को मुड़ने दो। मैं कहता था कि यह मुड़ना क्या होता है तो वे कहते थे कि जो विषय दिया है, उस पर चर्चा होगी और चर्चा होते-होते स्वाभाविक रूप से फैसले की ओर वह विषय आएगा ही। जब तक कोई विषय स्वाभाविक रूप से हमारे बीच नहीं आये, तब तक इंतजार करना ही हमारी जिम्मेदारी है क्योंकि हमलोगों को सामूहिक रूप से चलना है। साथ ही, सामूहिकता में सर्वसम्मति से निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने लाखों कार्यकर्ताओं के जीवन में लक्ष्य स्थापित किये। प्लानिंग इन एडवांस, प्लानिंग इन डिटेल, थिंक ग्लोबली, एक्ट लोकली आदि सूत्र

वाक्यों ने संगठन को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये सभी चीजें उनके बताये रास्तों में झलकती थी।

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय देवी जी के पास पैनी निरीक्षण की ताकत थी। आप क्या कह रहे हैं, क्या कहना चाहते हैं और उसके पीछे के कारण क्या हैं— इन तीनों में भेद करने की क्षमता उनमें थी। वे कई बार हम लोगों को समझाते थे कि संवाद करना और संवाद में अपने आपको शामिल करना तथा उस संवाद में से अपने आप को निकाल लेना, यह संवाद की कला है। प्रवास करना और उस प्रवास के माध्यम से संगठन को कैसे आगे ले जाया जा सकता है, इसे गहराई से समझना तथा संगठन के सूत्र से, छोटी-छोटी बातों से उन्होंने हमें अवगत कराया है। आज हम कह सकते हैं कि विद्यार्थी परिषद् दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है। तीन दशक में प्रयास से यह बना है और इसके पीछे शक्ति थी, वह आदरणीय मदन दास देवी जी की थी। उन्होंने अखिल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् को सबसे बड़ा छात्र सगंठन बनाया है।

उन्होंने कहा कि हमें आज भी याद है, 1985 में राष्ट्रीय युवा वर्ष था। यहीं दिल्ली के राजघाट के सामने हम सब लोग एकत्रित हुए थे। उस कार्यक्रम में लगभग 10,774 डेलिगेट्स शामिल हुए थे जो दुनिया का सबसे बड़ा सम्मेलन था। लगभग उसी समय रूस में यूथ कांफ्रेंस हुआ था, उसमें शामिल होने वाले डेलिगेट्स की संख्या महज 3,500 पर सीमित हो गई थी। श्रद्धेय मदनदास देवी जी ने विद्यार्थी परिषद् को स्थापित किया और बाद में हम सब लोगों ने देखा कि संघ के दायित्व में विभिन्न जिम्मेवारियों को निभाते हुए उन्होंने अपना जीवन लगाया। लोगों से सतत संपर्क रखना, हर परिस्थिति में कार्यकर्ता की चिंता करना, उससे निरंतर संपर्क रखना—यह उनकी विशेषता थी।

श्री नड्डा ने कहा कि हम सब के लिए उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सब उनके रास्ते पर चलें और उनके बताए हुए संगठन के मंत्र को पूरा करें। ■

मोदी स्टोरी

नरेन्द्र मोदी प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान करते हैं

— हितेश ठक्कर

गुजरात में 'सोनो साथ, सोनो विकास' से लेकर केंद्र में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' तक, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एक प्रतीक हैं और एक नेता को कैसे नेतृत्व करना चाहिए, इसका श्रेष्ठ आदर्श उदाहरण हैं। हालांकि, इन सभी नेतृत्व गुणों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा 'सबका सम्मान' से आता है जिसकी चर्चा कम होती है, लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री नरेन्द्र मोदी के संगठनात्मक कौशल के बारे में हर कोई जानता है लेकिन संगठन को ताकत उसके कार्यकर्ताओं से मिलती है और श्री नरेन्द्र मोदी एक ऐसे नेता हैं जो अपने कार्यकर्ताओं के साथ अच्छा व्यवहार करते हैं और उन्हें महसूस कराते हैं कि वह भी उनमें से एक हैं।

हम एक ऐसी घटना की चर्चा कर रहे हैं जहां श्री मोदी के व्यवहार ने उनसे व्यक्तिगत रूप से मिले बिना भी एक कार्यकर्ता को भावुक कर दिया।

यह घटना 2017 की है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने के लिए गुजरात के भाभर शहर गए थे।

गुजरात के भाजपा कार्यकर्ता श्री हितेश ठक्कर को हेलीपैड पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए चाय और नाश्ते की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

हालांकि, प्रधानमंत्री श्री मोदी को दोपहर 12.30 बजे हेलीपैड पर पहुंचना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से श्री हितेश को सुबह 10 बजे तक हेलीपैड पर पहुंचने के लिए कहा गया था। श्री हितेश ने अपने घर से चाय और नाश्ता तैयार कराया और ठीक 10 बजे हेलीपैड पर पहुंच गये।

जैसे ही प्रधानमंत्री श्री मोदी का हेलीकॉप्टर उतरा, वह तुरंत रैली स्थल के लिए रवाना हो गए क्योंकि वहां कई लोग उनके भाषण का इंतजार कर रहे थे। हालांकि उनके अधिकारियों ने उन्हें बताया कि एक कार्यकर्ता सुबह से ही चाय-नाश्ता लेकर उनका इंतजार कर रहे हैं।

उस रैली से लौटते समय जैसे ही प्रधानमंत्री श्री मोदी हेलीपैड पर पहुंचे, उन्होंने अपने अधिकारियों से उस कार्यकर्ता को बुलाने के लिए कहा जो सुबह से उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

चूंकि श्री हितेश रैली स्थल पर गये थे, इसलिए सुरक्षा कारणों से वे हेलीपैड पर नहीं लौट सके।

इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री हितेश द्वारा लाया गया नाश्ता और चाय ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जब कार्यकर्ता अपना थर्मस और अन्य बर्तन लेने वापस आएं तो कृपया उन्हें सूचित करें कि श्री मोदी ने चाय और नाश्ता कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस बात की सूचना भी दी जाए कि श्री मोदी उनसे मिलना भी चाहते थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह व्यवहार श्री हितेश के दिल को छू गया और उनका कहना है कि इतने व्यस्त कार्यक्रम और इतने समय के बाद भी श्री मोदी के मन में यह बात थी कि एक कार्यकर्ता उनकी प्रतीक्षा कर रहा है। यही बात श्री नरेन्द्र मोदी को अन्य नेताओं से अलग बनाती है। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

वेलुरी वेंकटरमैया

आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के राजमुंदरी के श्री वेलुरी वेंकटरमैया का झुकाव स्कूली शिक्षा के दिनों से ही रा.स्व.संघ के प्रति बहुत गहरा था। इसके चलते वे जनसंघ में शामिल हुए और उन्होंने जिला एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न पदों का दायित्व संभाला। वेलुरी जी ने 1971-73 के बीच विशेष आंध्र आंदोलन में भाग लिया। उन्होंने जनसंघ के उम्मीदवार के तौर पर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए विधान परिषद् का चुनाव लड़ा। ■

श्री वेलुरी वेंकटरमैया

जन्म: 03 अगस्त, 1928
सक्रिय वर्ष: 1959-1975
जिला: पूर्वी गोदावरी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली स्थित 'भारत मंडपम' में अखिल भारतीय शिक्षा समागम का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 जुलाई को दिल्ली स्थित 'भारत मंडपम' में अखिल भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन किया। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) की तीसरी वर्षगांठ के समय के साथ-साथ ही आयोजित हो रहा है। उन्होंने पीएम श्री योजना के तहत फंड की पहली किस्त भी जारी की। 6207 स्कूलों को कुल 630 करोड़ रुपये की राशि के बराबर की पहली किस्त प्राप्त हुई। श्री मोदी ने 12 भारतीय भाषाओं में अनूदित शिक्षा और कौशल पाठ्यक्रम की पुस्तकों का भी विमोचन किया।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत जिन लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहा है, उन्हें अर्जित करने में हमारी शिक्षा प्रणाली की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि एनईपी में पारंपरिक ज्ञान और भविष्य की प्रौद्योगिकियों को समान महत्व दिया गया है।

श्री मोदी ने कहा कि एनईपी के तहत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा शीघ्र ही सामने आएगा। 3-8 साल के छात्रों के लिए रूपरेखा तैयार है। पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम होगा और एनसीईआरटी इसके लिए नए पाठ्यक्रम की पुस्तकें तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि क्षेत्रीय भाषाओं में दी जा रही शिक्षा के परिणामस्वरूप 22 विभिन्न भाषाओं में कक्षा 3 से 12 के लिए लगभग 130 विभिन्न विषयों की नई पुस्तकें आ रही हैं।

श्री मोदी ने कहा कि किसी भी छात्र के साथ सबसे बड़ा अन्याय यह है कि उसकी क्षमता के बजाय उसकी भाषा के आधार पर उसका आकलन किया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा भारत में छात्रों के लिए न्याय के एक नए रूप की शुरुआत कर रही है। यह सामाजिक न्याय की दिशा में भी एक बहुत ही उल्लेखनीय कदम है।

श्री मोदी ने रेखांकित किया कि सामाजिक विज्ञान से लेकर इंजीनियरिंग तक के विषय अब भारतीय भाषाओं में पढ़ाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें अमृत काल के आगामी 25 वर्षों में एक ऊर्जावान नई पीढ़ी तैयार करनी है। ■

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के पुणे में विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक अगस्त को पुणे मेट्रो के पूर्ण हो चुके खंडों के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेनों को झंडी दिखाई। उन्होंने पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम (पीसीएमसी) द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 1280 से अधिक घर और पुणे नगर निगम द्वारा निर्मित 2650 से अधिक पीएमएवाई के तहत तैयार किए गए घर भी लाभार्थियों को सौंपे। श्री मोदी ने पीसीएमसी द्वारा निर्मित किए जाने वाले लगभग 1190 पीएमएवाई घरों और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित किए जाने वाले 6400 से अधिक घरों की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने पीसीएमसी के तहत लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र का भी उद्घाटन किया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि अगस्त उत्सव और क्रांति का महीना है। स्वतंत्रता संग्राम में पुणे शहर के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस महानगर ने बाल गंगाधर तिलक सहित देश को कई स्वतंत्रता सेनानी दिए हैं। श्री मोदी ने यह भी बताया कि आज महान अन्ना भाऊ साठे की जयंती है जो एक समाज सुधारक थे और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के आदर्शों से प्रेरित थे।

श्री मोदी ने हर शहर में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सार्वजनिक परिवहन के बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कारण से मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है, नए फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं और ट्रैफिक लाइटों की संख्या कम करने पर जोर दिया जा रहा है।

श्री मोदी ने बताया कि 2014 से पहले देश में केवल 250 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क था और ज्यादातर मेट्रो लाइनें दिल्ली तक ही सीमित थीं, जबकि आज देश में मेट्रो नेटवर्क 800 किलोमीटर से ज्यादा हो गया है और 1000 किलोमीटर की नई मेट्रो लाइनों पर काम चल रहा है। ■

सहकारिता से होकर निकलेगा किसानों की उन्नति का रास्ता

राजकुमार चाहर

किसान कल्याण और गरीब उत्थान, बिना सहकारिता के सोचा ही नहीं जा सकता। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में जब सहकारिता आंदोलन को सबसे अधिक जरूरत थी, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 75 साल पुरानी मांग को पूरा करते हुए सहकारिता मंत्रालय का गठन किया और आज के हमारे लौहपुरुष गृह मंत्री श्री अमित शाह को इस मंत्रालय की कमान दी। देश में सहकारिता आंदोलन को मज़बूत करने एवं सहकारी समितियों के लिए 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने हेतु गठित सहकारिता मंत्रालय का मूल मंत्र है 'सहकार से समृद्धि'।

सहकारिता आंदोलन भारत के ग्रामीण समाज की प्रगति करेगा और एक नई सामाजिक पूंजी की अवधारणा भी खड़ी करेगा। भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुल मिल गई है, ये कोई उधार लिया विचार नहीं है। भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता। देश के विकास में सहकारिता मंत्रालय मोदीजी के मार्गदर्शन और शाहजी के नेतृत्व मे बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हर गांव को कॉ-ऑपरेटिव के साथ जोड़कर, सहकार से समृद्धि के मंत्र साथ हर गांव को समृद्ध बनाना और उसके बाद देश को समृद्ध बनाना, यही सहकार की भूमिका होती है जिसके लिए रात-दिन मोदीजी कार्यरत है।

भारत के संस्कारों में सहकारिता है

1904 से अब तक सहकारिता ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। श्री अमित शाह 25 साल तक सहकारिता आंदोलन से जुड़े रहे हैं। देश पर जब-जब कोई विपदा आई है, सहकारिता आंदोलनों ने देश को बाहर निकाला है। कॉपरेटिव बैंक बिना मुनाफे की चिंता किए लोगों के लिए काम करते हैं क्योंकि, भारत के संस्कारों में सहकारिता है। आज देश में लगभग 91% गांव ऐसे हैं जहां छोटी-बड़ी कोई न कोई सहकारी संस्था काम करती है। दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं होगा जिसके 91% गांव में सहकारिता उपस्थित हो। देश के लगभग 36 लाख परिवार किसी न किसी रूप में सहकारिता से सीधे जुड़े हुए हैं। सहकारिता गरीबों, किसानों और पिछड़ों के विकास के लिए है। सहकारिता मंत्रालय कॉ-ऑपरेटिव संस्थाओं को मजबूत करने, उन्हें आगे बढ़ाने, उन्हें आधुनिक बनाने, उन्हें पारदर्शी बनाने, उन्हें प्रतिस्पर्धा में टिके रखने के लिए ही बनाया गया है।

> **सहकारिता आंदोलन भारत के ग्रामीण समाज की प्रगति करेगा और एक नई सामाजिक पूंजी की अवधारणा भी खड़ी करेगा। भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुल मिल गई है, ये कोई उधार लिया विचार नहीं है। भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी ने 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया है। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र भी देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपना अहम योगदान दे रहा है। सहकारिता आंदोलन के प्रणेता रहे माधव राव गोडबोले, बैकुंठ भाई मेहता, त्रिभुवन दास पटेल, विठ्ठलराव विखे पाटील, यशवंत राव चौहान, धनजय राव गाडगिल, लक्ष्मण रावजी जैसे महानुभावों का स्मरण करते हुए सहकारी संस्थाओं के योगदान को भी हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। आज अमित भाई के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से देश के विकास की गति को नई दिशा और दशा देने का कार्य लगातार तेजी के साथ हो रहा है। इफको ने हरित क्रांति को एक नई दिशा देने का काम किया। उसी प्रकार अमूल व लिज्जत सहकारिता के दो आयाम हैं। अमूल ने वह करके दिखाया जो बड़े-बड़े कॉर्पोरेट नहीं कर सके।

सरदार पटेल की दूरदर्शिता को धरातल पर चरितार्थ कर रहे हैं प्रधानमंत्री

अमूल का उदय लौहपुरुष सरदार पटेल की दूरदर्शिता के कारण संभव हुआ। 1946 में जब अंग्रेजों ने यह फैसला किया कि किसानों को अपना सारा दूध एक प्राइवेट कंपनी को देना होगा, तब इसके खिलाफ एक आंदोलन की शुरुआत हुई। आज अमूल हम सबके सामने है। 2020-21 में अमूल का टर्नओवर 53 हजार करोड़ रुपये को पार कर गया है। इससे लगभग 36 लाख किसान जुड़े हैं। इसने विशेष तौर पर महिलाओं का सशक्तीकरण का काम किया है। पटेलजी की सहकारिता के क्षेत्र में जो दूरदर्शिता थी, उसको मोदीजी व अमित शाहजी जमीन पर ले जाकर चरितार्थ करने का अविस्मरणीय कार्य कर रहे हैं, जिससे देश आने वाले समय में सहकारिता के माध्यम से भी अनेक एतिहासिक आयाम करने का भी कार्य करेगा। अमूल से जहां देश के करोड़ों किसान जुड़े हुए हैं तो लिज्जत पापड़ से महिलाओं को

रोजगार मिला है। अमूल और लिज्जत आज सफल हैं तो इसमें महिलाओं का सबसे बड़ा योगदान है, उनकी सबसे बड़ी साझेदारी है।

1967 में 57 कोऑपरेटिव के साथ एक सोसाइटी बनाई गई इफ्को आज 36,000 से भी ज्यादा कोआपरेटिव को साथ लेकर चल रही है। लगभग 5.5 करोड़ किसान को इसका लाभ मिल रहा है। आप कल्पना कर सकते हैं एक बड़ी कंपनी कुछ भी कमाती है तो वह इसके मालिक को जाती है लेकिन इफ्को जो भी आय अर्जित करती है, उसकी पाई-पाई लगभग 5.5 करोड़ किसान को जायेगी, इसी को तो कोऑपरेटिव कहते हैं। आज इफ्को देश के लिए लगभग-लगभग उर्वरकों की पूरी जिम्मेदारी उठाती है। आज हम उर्वरक के मामले में आत्मनिर्भर बन रहे है और भविष्य मे हमें उर्वरकों का भी आयात नहीं करना पड़ेगा। उसी प्रकार क्रिपको 9 हज़ार 500 समितियों का बना हुआ ये संगठन एक साल में लगभग 2,000 करोड़ रुपये से अधिक लाभांश दे रही है। आज मोदीजी सहकारिता के माध्यम से छोटे किसानों को सशक्त बना रहे हैं।

आज देश में 8 लाख 55 हज़ार से ज्यादा रजिस्टर्ड समितियां हैं। 8.5 लाख से ज्यादा क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी हैं। लोन न देनेवाली सहकारी समितियों की संख्या 60 लाख से अधिक है। राष्ट्रीय सहकारिता समिति 17 से अधिक हैं। राज्य स्तरीय सहकारी बैंकों की संख्या 33 हैं और जिला स्तरीय सहकारी बैंकों की संख्या 363 हैं। लगभग 95 हजार में से 63 हजार पैक्स काम कर रहे हैं। एक तरह से देखें तो हर दसवें गांव में एक पैक्स है, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। पैक्स किसानों के कल्याण का एक सशक्त माध्यम है, इसलिए पैक्स को मजबूत करना मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। आज देश में कृषि ऋण का 29 प्रतिशत वितरण सहकारिता बैंकों के माध्यम से किया जाता है, 35 प्रतिशत उर्वरक वितरण इनके माध्यम से हो रहा है, 30 प्रतिशत सहकारी संस्थाएं उर्वरक का उत्पादन कर रही हैं, देश की कुल चीनी की लागत का 31 प्रतिशत उत्पादन इन समितियों के माध्यम से हो रहा है। दुग्ध की खरीदी और उत्पादन 20 प्रतिशत, गेहूं की खरीदी 13 प्रतिशत, धन की खरीदी 20 प्रतिशत और मछुआरा के क्षेत्र में भी 21 प्रतिशत कार्य सहकारी समितियां करती हैं। अब वह समय आ गया है कि जब अमित शाहजी के नेतृत्व मे सहकारिता मंत्रालय नए लक्ष्य तय करने के साथ ही साथ इस पर एक मजबूत इमारत खड़ी कर रहा है।

सहकारिता का महत्त्व

- यह उस क्षेत्र को कृषि ऋण और धन प्रदान करता है जहां राज्य तथा निजी क्षेत्र की पहुंच अप्रभावी है।
- यह कृषि क्षेत्र के लिये रणनीतिक इनपुट प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ता रियायती दरों पर अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
- यह उन गरीबों का एक संगठन है जो सामूहिक रूप से अपनी समस्याओं का समाधान करना चाहते हैं।
- यह वर्ग संघर्षों और सामाजिक दूरियों को कम करता है।
- यह नौकरशाही की बुराइयों और राजनीतिक गुटबाज़ी को कम करता है।
- यह कृषि विकास की बाधाओं को दूर करता है।
- यह लघु और कुटीर उद्योगों के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करता है।

> **पिछले 9 वर्षों में किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदकर 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दिए गए हैं। सरकार कृषि और किसानों पर हर साल करीब 6.5 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रही है। हर साल सरकार हर किसान तक औसतन 50 हजार रुपए पहुंचा रही है**

सहकारिता एवं किसान कल्याण

आज किसान को एक यूरिया बैग के लिए करीब 270 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। बांग्लादेश में इसकी कीमत 720 रुपए, पाकिस्तान में 800 रुपए और चीन में 2100 रुपए है। पिछले 9 सालों में भाजपा सरकार ने उर्वरक सब्सिडी पर 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं।

पिछले 9 वर्षों में किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदकर 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दिए गए हैं। सरकार कृषि और किसानों पर हर साल करीब 6.5 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रही है। हर साल सरकार हर किसान तक औसतन 50 हजार रुपए पहुंचा रही है। भाजपा सरकार में किसानों को अलग-अलग तरह से हर साल 50 हजार रुपए मिलने की गारंटी है। भाजपा सरकार ने फर्टिलाइजर सब्सिडी पर 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं।

मोदीजी सहकारिता को ताकत दे रहे

प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में आज हमारा देश विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य पर काम कर रहा है। मोदीजी ने लालकिले से कहा था कि हमारे हर लक्ष्य को हासिल करने के लिए सबका प्रयास आवश्यक है। आज हम दुनिया में दूध के सबसे बड़े उत्पादक हैं, तो इसका श्रेय डेयरी सहकारी समितियों को और मोदी सरकार को दिया जा सकता है। भारत चीनी के सबसे बड़े उत्पादकों में से है, तो इसका श्रेय भी मोदी सरकार और सहकारी समितियों को जाता है। जब विकसित भारत के लिए बड़े लक्ष्यों की बात आई, तो मोदीजी ने सहकारिता को ताकत देने का फैसला किया। मोदी सरकार ने पहली बार सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय बनाया, अलग बजट का प्रावधान किया। आज को-ऑपरेटिव को कार्पोरेट सेक्टर जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। सहकारी समितियों की ताकत बढ़ाने के लिए उनके लिए टैक्स की दरों को भी कम किया। सरकार ने सहकारी बैंकों को भी मजबूती दी है। ■

(लेखक भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2023

बिल का उद्देश्य दिल्ली में भ्रष्टाचाररहित और लोकाभिमुख शासन सुनिश्चित करना है: अमित शाह

राज्य सभा ने विस्तृत चर्चा के बाद सात अगस्त को दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2023 को 102 के मुकाबले 131 मतों से पारित कर दिया। इससे पहले इस विधेयक को लोकसभा ने तीन अगस्त को पारित कर दिया था। चर्चा का जवाब देते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बिल के किसी भी प्रावधान से पहले से चली आ रही व्यवस्था में कोई भी परिवर्तन नहीं होगा

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सात अगस्त को राज्य सभा में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा का जवाब दिया। चर्चा के बाद राज्य सभा ने विधेयक को 102 के मुकाबले 131 मतों से पारित कर दिया। चर्चा का जवाब देते हुए श्री शाह ने कहा कि इस बिल का उद्देश्य दिल्ली में भ्रष्टाचाररहित और लोकाभिमुख शासन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि बिल के किसी भी प्रावधान से पहले से चली आ रही व्यवस्था में कोई भी परिवर्तन नहीं होगा।

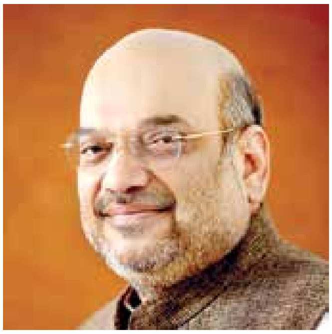

दिल्ली कई मायनों में सभी राज्यों से अलग

श्री शाह ने कहा कि दिल्ली कई मायनों में सभी राज्यों से अलग है क्योंकि यहां संसद भवन, संवैधानिक हस्तियां, सुप्रीम कोर्ट और दूतावास हैं और दुनियाभर के देशों के राष्ट्राध्यक्ष यहां आते है, इसीलिए दिल्ली को यूनियन टैरिटरी बनाया गया।

उन्होंने कहा कि इस बिल के साथ दिल्ली सरकार को समस्या है कि उन्हें UT के चुनाव लड़ने के बाद राज्य के अधिकार चाहिए। श्री शाह ने कहा कि इस समस्या का समाधान है कि इन्हें अपनी मानसिकता को बदलना, सीमित और संयत करना होगा। उन्होंने कहा कि देश में दिल्ली संघराज्य क्षेत्र की विधानसभा ही एकमात्र ऐसी असेंबली है जिसका सत्रावसान ही नहीं होता है, 2020 से लेकर 2023 में विधानसभा का केवल बजट सत्र ही बुलाया है।

> यह बिल सरकार इसीलिए लाई है, ताकि केन्द्र द्वारा दी गई शक्तियों का दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को वैधानिक रूप से रोका जा सके

श्री शाह ने कहा कि यह बिल सरकार इसीलिए लाई है, ताकि केन्द्र द्वारा दी गई शक्तियों का दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को वैधानिक रूप से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 239 (AA)(3)(B) के तहत देश की संसद को दिल्ली संघराज्य क्षेत्र या इसके किसी भी भाग के बारे में और उससे संबंधित किसी भी विषय पर कानून बनाने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। श्री शाह ने कहा कि अगर केन्द्र सरकार अध्यादेश नहीं लाती, तो सभी घोटालों की फाइलों को गुम करने का एक नया घोटाला होता।

विपक्ष मणिपुर पर चर्चा नहीं चाहता

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान राजनीतिक दलों के 3 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को जेल भेज दिया गया था और अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गई थी, ऐसे लोगों को डेमोक्रेसी की बात नहीं करनी चाहिए। श्री शाह ने कहा कि सरकार हमेशा सदन में मणिपुर पर चर्चा करने के लिए तैयार है और मैं स्वयं चर्चा में हर बात का जवाब देने के लिए तैयार हूं, लेकिन विपक्ष मणिपुर पर चर्चा नहीं चाहता।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा विजिलेंस विभाग को इसीलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वहां आबकारी घोटाले और मुख्यमंत्री के नए बंगले के निर्माण पर अवैध रूप से हुए खर्च की फ़ाइलें बंद थीं। श्री शाह ने कहा कि इस विधेयक में धारा 3 ए को भारत सरकार ने खुद ही हटा लिया है और अब दिल्ली की विधानसभा भी सेवा संबंधित नियम बना सकेगी, लेकिन वो कानून केन्द्र द्वारा बनाए गए कानून का विरोधाभासी नहीं होगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि 1993 से ही दिल्ली में शासन नियमों के हिसाब से चल रहा था, लेकिन इन नियमों को कानून का हिस्सा बनाना पड़ा क्योंकि दिल्ली में एक ऐसी सरकार आई जो नियमों को नहीं मानती है। ■

राज्यसभा ने जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2023 किया पारित

जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2023 लोकसभा में 27 जून को और राज्यसभा में 2 अगस्त को पारित किया गया। जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2023 के माध्यम से 19 मंत्रालयों/विभागों द्वारा प्रशासित 42 केंद्रीय अधिनियमों में कुल 183 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने का प्रस्ताव किया जा रहा है।

संशोधन विधेयक के प्रमुख लाभ निम्न हैः

1. संशोधन विधेयक आपराधिक प्रावधानों को तर्कसंगत बनाने और यह सुनिश्चित करने में योगदान देगा कि नागरिक, व्यवसाय और सरकारी विभाग मामूली, तकनीकी या प्रक्रियात्मक चूक के लिए कारावास के डर के बिना काम करें।

2. किसी अपराध के दंडात्मक परिणाम की प्रकृति अपराध की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए। यह विधेयक किये गये अपराध/उल्लंघन की गंभीरता और निर्धारित सजा की गंभीरता के बीच संतुलन स्थापित करता है। प्रस्तावित संशोधन कानून की कठोरता को खोए बिना, व्यवसायों और नागरिकों द्वारा कानून का पालन सुनिश्चित करते हैं।

3. तकनीकी/प्रक्रियात्मक चूक और छोटी चूक के लिए निर्धारित आपराधिक परिणाम, न्याय वितरण प्रणाली को अवरुद्ध करते हैं और गंभीर अपराधों के निर्णय को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। विधेयक में प्रस्तावित कुछ संशोधन, जहां भी लागू और व्यवहार्य हो, उपयुक्त प्रशासनिक न्यायनिर्णयन तंत्र पेश करने के लिए हैं। इससे न्याय प्रणाली पर अनुचित दबाव को कम करने, लंबित मामलों को कम करने और अधिक कुशल और प्रभावी न्याय वितरण में मदद मिलेगी।

4. नागरिकों और कुछ श्रेणियों के सरकारी कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले प्रावधानों को अपराधमुक्त करने से उन्हें मामूली उल्लंघनों के लिए कारावास के डर के बिना रहने में मदद मिलेगी। ■

लोकसभा में वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक 2023 पारित

केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने 26 जुलाई को संयुक्त संसदीय समिति द्वारा भेजे गये वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक 2023 को लोकसभा में विचार के लिये पेश किया और उसके बाद सदन से इसे पारित करने का आग्रह किया। संदस्यों की चर्चा और विचार के बाद लोकसभा ने विधेयक को पारित कर दिया।

वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 देश में वन संरक्षण के लिये एक महत्वपूर्ण केन्द्रीय कानून है। कानून के तहत प्रावधान है कि आरक्षित वनों को अनारक्षित करना, वन भूमि का गैर-वन कार्यों के लिये उपयोग, वन भूमि को पट्टे पर अथवा अन्य तरीके से निजी इकाइयों को देना और प्राकृतिक रूप से उगे पेड़ों का पुनःवनीकरण के लिये सफाया करने के लिये केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति आवश्यक है।

लोकसभा द्वारा पारित इस विधेयक में प्रस्तावित संशोधन से वन संरक्षण और संवर्धन के लिये कानून की भावना अधिक स्पष्ट होगी और उसमें नयापन आयेगा। ■

संसद ने खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2023 किया पारित

राज्यसभा ने दो अगस्त को खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 (इसके बाद 'अधिनियम' के रूप में संदर्भित) में संशोधन करने के लिए खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2023 पारित कर दिया। विधेयक 28 जुलाई को लोकसभा द्वारा पहले ही पारित किया जा चुका था।

विधेयक में कुछ खनिजों को परमाणु खनिजों की सूची से हटाने का प्रावधान है। लिथियम, बेरिलियम, टाइटेनियम, निओबियम, टैंटलम और ज़िरकोनियम के खनिज प्रौद्योगिकी और ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण हैं जिनका उपयोग अंतरिक्ष उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रौद्योगिकी और संचार, ऊर्जा क्षेत्र, इलेक्ट्रिक बैटरी में किया जाता है और शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने में भारत की प्रतिबद्धता के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन खनिजों को परमाणु खनिजों की सूची से हटाने पर इन खनिजों की खोज और खनन निजी क्षेत्र के लिए खुल जाएगा। परिणामस्वरूप, देश में इन खनिजों की खोज और खनन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की आशा है। ■

बांग्लादेश अवामी लीग के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की

बांग्लादेश अवामी लीग के पांच सदस्य प्रतिनिधिमंडल ने 07 अगस्त, 2023 को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की।

इस चर्चा के दौरान श्री नड्डा ने पार्टी की संगठनात्मक संरचना एवं इसकी गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी की कार्यपद्धति एवं दृष्टिकोण को भी प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत की प्रगति में पार्टी के योगदान पर भी चर्चा की।

श्री नड्डा ने पार्टी-दर-पार्टी संपर्क बढ़ाने के तरीकों पर भी बात की। यह प्रतिनिधिमंडल भारतीय जनता पार्टी के निमंत्रण पर 'भाजपा को जानें' पहल के तहत भारत का दौरा कर रहा है। इस पहल की शुरुआत भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा के 43वें स्थापना दिवस पर की थी।

बांग्लादेश अवामी लीग केंद्रीय कार्यकारी समिति प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सांसद, कृषि मंत्री और प्रेसीडियम सदस्य डॉ. मोहम्मद अब्दुर रज्जाक कर रहे थे। इस प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य में सांसद, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और संयुक्त महासचिव डॉ. हसन महमूद, सांसद एवं सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री अरोमा दत्ता, आयोजन सचिव श्री सुजीत रॉय नंदी और सांसद एवं अवामी लीग की कार्यकारी सदस्य प्रोफेसर मेरिना जहां थी। ■

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी - सेन्टर) के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की

नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी - सेन्टर) के पांच सदस्य प्रतिनिधिमंडल ने 24 जुलाई, 2023 को भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की और भारत एवं नेपाल के बीच सदियों पुराने पारंपरिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। यह प्रतिनिधिमंडल भारतीय जनता पार्टी के निमंत्रण पर 'भाजपा को जानें' पहल के तहत भारत का दौरा कर रहा है।

इस चर्चा के दौरान प्रतिनिधियों ने भाजपा के विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा ने पार्टी की संगठनात्मक संरचना और इसकी गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नेपाल तेजी से विकास की राह पर चलेगा और भारत सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपनी 'पड़ोस प्रथम' नीति के तहत उसका पूरा सहयोग करेगी।

सीपीएन (माओवादी - सेन्टर) की उपाध्यक्ष सुश्री पम्फा भुसल इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही थी। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य में सचिव श्री चक्रपाणि खनाल, स्थायी समिति की सदस्य सुश्री सत्या पहाड़ी, केंद्रीय समिति के सदस्य सर्वश्री रामेश्वर राय यादव एवं सुरेश कुमार राय शामिल थे। ■

महिला सशक्तीकरण पर जी–20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, गांधीनगर

जब महिलाएं समृद्ध होती हैं, तो दुनिया समृद्ध होती है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो अगस्त को वीडियो संदेश के माध्यम से गुजरात के गांधीनगर में आयोजित महिला सशक्तीकरण पर जी-20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित किया। उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब महिलाएं समृद्ध होती हैं तो दुनिया समृद्ध होती है। उन्होंने कहा कि उनका आर्थिक सशक्तीकरण विकास को बढ़ावा देता है और शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाती है।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला-केंद्रित विकास दृष्टिकोण के माध्यम से है और भारत इस दिशा में असीम प्रगति कर रहा है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू स्वयं एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि वह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करती हैं और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रक्षा बल के सर्वोच्च कमांडर के रूप में काम करती हैं, भले ही वह एक सामान्य जनजातीय पृष्ठभूमि की हैं।

श्री मोदी ने कहा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधि आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक परिवर्तन की प्रमुख कारक रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में ग्रामीण स्थानीय निकायों में निर्वाचित प्रतिनिधियों में 46 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनकी संख्या 1.4 मिलियन है।

स्टैंड-अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं

यह रेखांकित करते हुए कि महिला-केंद्रित विकास सरकार के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता रही है, प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत सूक्ष्म स्तर की इकाइयों की सहायता करने के लिए एक मिलियन रुपये तक के लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को मंजूर किए गए हैं। इसी तरह, स्टैंड-अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो ग्रीन फील्ड परियोजनाओं के लिए बैंक ऋण का लाभ उठा रही हैं।

अपने संबोधन का समापन करते हुए श्री मोदी ने महिलाओं की उद्यमिता, नेतृत्व और शिक्षा पर मंत्रालयी सम्मेलन के फोकस की सराहना की और महिलाओं के लिए डिजिटल और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए 'टेक-इक्विटी प्लेटफॉर्म' के लॉन्च पर प्रसन्नता जताई की। ■

जी–20 पर्यावरण और जलवायु मंत्रियों की बैठक, चेन्नई

'भारत ने वर्ष 2070 तक 'नेट ज़ीरो' अर्जित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 जुलाई को वीडियो संदेश के माध्यम से चेन्नई में आयोजित जी-20 पर्यावरण और जलवायु मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि धरती माता की रक्षा और देखभाल करना हमारी मौलिक जिम्मेदारी है और आज इसने 'जलवायु कार्रवाई' का रूप ले लिया है क्योंकि बहुत लंबे समय से कई लोगों द्वारा इस कर्तव्य को नजरअंदाज किया गया हैं।

भारत के पारंपरिक ज्ञान के आधार पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु कार्रवाई को 'अंत्योदय' का अनुपालन करना चाहिए जिसका अर्थ है समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान और विकास सुनिश्चित करना। यह देखते हुए कि 'ग्लोबल साउथ' के देश, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय मुद्दों से बहुत प्रभावित हैं, श्री मोदी ने 'संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन' और 'पेरिस समझौते' के तहत प्रतिबद्धताओं पर अधिक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि ऐसा करना ग्लोबल साउथ की जलवायु-अनुकूल तरीके से विकासात्मक आकांक्षाओं को पूरा करने मे सहायता करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने यह जानकारी देते हुए गर्व अनुभव किया कि भारत अपने महत्वाकांक्षी 'राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान' के माध्यम से आगे बढ़ा है। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत ने गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी स्थापित विद्युत क्षमता को वर्ष 2030 के लिए निर्धारित लक्ष्य से 9 साल पहले ही हासिल कर लिया है और अब अद्यतन लक्ष्यों के माध्यम से इसने अधिक ऊंचे मानक निर्धारित किए हैं।

श्री मोदी ने यह भी उल्लेख किया कि स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के रूप में आज भारत विश्व के शीर्ष 5 देशों में से एक है और बताया कि देश ने वर्ष 2070 तक 'नेट जीरो' हासिल करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री ने इस बारे मे आशा व्यक्त की, क्योंकि भारत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, सीडीआरआई और 'लीडरशिप ग्रुप फॉर इंडस्ट्री ट्रांज़िशन' सहित गठबंधनों के माध्यम से लगातार सहयोग कर रहा है। ■

शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान शुरू होगा: नरेन्द्र मोदी

देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों की याद में पूरे भारत में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 जुलाई को कहा कि शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान शुरू होगा। आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 103वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हर जगह 'अमृत महोत्सव' की गूंज है और 15 अगस्त पास ही है तो देश में एक और बड़ा अभियान शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान शुरू होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों की याद में पूरे भारत में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के अंतर्गत देशभर में अमृत कलश यात्रा आयोजित की जाएगी। श्री मोदी ने कहा कि देश के गांव-गांव से, कोने-कोने से 7,500 कलशों में मिट्टी लेकर यह 'अमृत कलश यात्रा' देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेगी। यह यात्रा अपने साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से पौधे लेकर भी आएगी।

उन्होंने कहा कि कलश में आई माटी और पौधों के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के समीप 'अमृत वाटिका' का निर्माण किया जाएगा। श्री मोदी ने कहा कि यह अमृत वाटिका 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत का' भी बहुत ही भव्य प्रतीक बनेगी। मैंने पिछले साल लाल किले से अगले 25 वर्षों के अमृतकाल के लिए 'पंच प्रण' की बात की थी। 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में हिस्सा लेकर हम इन 'पंच प्रणों' को पूरा करने की शपथ भी लेंगे।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से देश की पवित्र मिट्टी को हाथ में लेकर शपथ लेते हुए अपनी सेल्फी को वेबसाइट 'युवा डॉट गॉव डॉट इन' पर अपलोड करने की अपील भी की। श्री मोदी ने पिछले साल की तरह इस साल भी 'हर घर तिरंगा' अभियान में लोगों से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि हमें इस बार भी फिर से, हर घर तिरंगा फहराना है और इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ाना है। इन प्रयासों से हमें अपने कर्तव्यों का बोध होगा। देश की आजादी के लिए दिए गए असंख्य बलिदानों का बोध होगा। आजादी के मूल्य का एहसास होगा। इसलिए, हर देशवासी को इन प्रयासों से जरूर जुड़ना चाहिए।

> देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों की याद में पूरे भारत में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे

अमेरिका ने सौ से ज्यादा दुर्लभ और प्राचीन कलाकृतियां वापस लौटाईं

'मन की बात' के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अमेरिका ने हमें सौ से ज्यादा दुर्लभ और प्राचीन कलाकृतियां वापस लौटाई हैं। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इन कलाकृतियों को लेकर खूब चर्चा हुई। युवाओं में अपनी विरासत के प्रति गर्व का भाव दिखा। भारत लौटीं ये कलाकृतियां ढाई हजार साल से लेकर ढाई सौ साल तक पुरानी हैं। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिकी सरकार का आभार करना चाहूंगा, जिन्होंने हमारी इस बहुमूल्य विरासत को लौटाया है। 2016 और 2021 में भी जब मैंने अमेरिका की यात्रा की थी, तब भी कई कलाकृतियां भारत को लौटाई गई थीं। मुझे विश्वास है कि ऐसे प्रयासों से हमारी सांस्कृतिक धरोहरों की चोरी रोकने को इस बात को ले करके देशभर में जागरूकता बढ़ेगी। इससे हमारी समृद्ध विरासत से देशवासियों का लगाव भी और गहरा होगा।

बिना 'महरम' (पुरुष साथी) हज यात्रा

प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम के दौरान मुस्लिम महिलाओं के

बिना 'महरम' (पुरुष साथी) हज यात्रा करने को एक 'बड़ा बदलाव' करार देते हुए इसका श्रेय हज नीति में किए गए परिवर्तन को दिया। श्री मोदी ने कहा कि इस बार उन्हें हज यात्रा से लौटी महिलाओं के कई पत्र भी मिले हैं, जो मन को बहुत ही संतोष देते हैं।

उन्होंने कहा कि ये वे महिलाएं हैं, जिन्होंने हज यात्रा बिना महरम पूरी की। ऐसी महिलाओं की संख्या सौ-पचास नहीं, बल्कि 4,000 से ज्यादा है। यह एक बड़ा बदलाव है। श्री मोदी ने कहा कि पहले मुस्लिम महिलाओं को बिना महरम 'हज' करने की इजाजत नहीं थी। इस्लाम में महरम वह पुरुष होता है, जो महिला का पति या ख़ून के रिश्ते में हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में हज नीति में जो बदलाव किए गए हैं, उनकी भरपूर सराहना हो रही है। हमारी मुस्लिम माताओं और बहनों ने इस बारे में मुझे काफी कुछ लिखा है। अब, ज्यादा से ज्यादा लोगों को हज पर जाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हज यात्रा से लौटे लोगों ने, खासकर माताओं और बहनों ने चिट्ठी लिखकर जो आशीर्वाद दिया है, वह अपने आप में बहुत प्रेरक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह 'मन की बात' के माध्यम से सऊदी अरब सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं कि उसने बिना महरम हज यात्रा पर गई महिलाओं के लिए विशेष रूप से महिला समन्वयकों की नियुक्ति की।

अयोध्या, मथुरा और उज्जैन जैसे तीर्थस्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। इससे लाखों लोगों का रोजगार भी मिल रहा है। उनका जीवनयापन हो रहा है। यह सब हमारे सांस्कृतिक जनजागरण का परिणाम है। इसके दर्शन के लिए अब तो पूरी दुनिया के लोग हमारे तीर्थस्थलों पर आ रहे हैं

अमृत महोत्सव के दौरान बने 60 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर

श्री मोदी ने इस दौरान जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए देश के विभिन्न इलाकों में हो रहे प्रयासों का जिक्र किया और देशवासियों से इन अभियानों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की भी अपील की। प्रधानमंत्री ने सावन के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस वजह से देश के ज्योर्तिलिंग क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ भी हो रही है।

श्री मोदी ने कहा कि बारिश का यही समय वृक्षारोपण और जल संरक्षण के लिए भी उतना ही जरूरी होता है। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान बने 60 हजार से ज्यादा अमृत सरोवरों में भी रौनक बढ़ गई है। अभी 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाने का काम जारी है। हमारे देशवासी पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ जल संरक्षण के लिए नए-नए प्रयास कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के पकरिया गांव में जनजातीय समुदाय के लोगों द्वारा सौ कुओं को पुनर्विकसित करने और उत्तर प्रदेश में एक दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास जन-भागीदारी के साथ-साथ जन-जागरण के भी बड़े उदाहरण हैं। श्री मोदी ने कहा कि मैं चाहूंगा कि हम सभी पेड़ लगाने और पानी बचाने के इन प्रयासों का हिस्सा बनें।

अब काशी में हर साल 10 करोड़ से ज्यादा पर्यटक

सावन के महीने का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि देश के लोगों की आस्था और यहां की परंपराओं का एक पहलू और भी है कि ये जीवन को गतिशील बनाती हैं।

उन्होंने कहा कि सावन में शिव आराधना के लिए कितने ही भक्त कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। सावन की वजह से इन दिनों 12 ज्योतिर्लिंग क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आपको यह जानकार भी अच्छा लगेगा कि बनारस पहुंचने वाले लोगों की संख्या भी रिकॉर्ड तोड़ रही है। अब काशी में हर साल 10 करोड़ से ज्यादा पर्यटक पहुंच रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इसी तरह अयोध्या, मथुरा और उज्जैन जैसे तीर्थस्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इससे लाखों लोगों का रोजगार भी मिल रहा है। उनका जीवनयापन हो रहा है। यह सब हमारे सांस्कृतिक जनजागरण का परिणाम है। इसके दर्शन के लिए अब तो पूरी दुनिया के लोग हमारे तीर्थस्थलों पर आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने अमरनाथ गुफा मंदिर की यात्रा करने वाले दो अमेरिकी नागरिकों का उल्लेख करते हुए कहा कि यही भारत की खासियत है कि वह सबको अपनाता है, सबको कुछ न कुछ देता है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने फ्रांस की 100 वर्षीय महिला शारलोट शोपा से पेरिस में हुई अपनी मुलाकात का जिक्र किया और बताया कि वह इस उम्र में भी योगाभ्यास करती हैं तथा इसे अपने बेहतर स्वास्थ्य का कारण मानती हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हम न केवल अपनी विरासत को अंगीकार करें, बल्कि उसे जिम्मेदारी से साथ विश्व के सामने प्रस्तुत भी करें। अपनी परंपराओं, अपनी धरोहरों को जीवंत रखने के लिए हमें उन्हें सहेजना होता है, उन्हें जीना होता है, उन्हें अगली पीढ़ी को सिखाना होता है। उन्होंने इस दिशा में देश में हो रहे प्रयासों पर प्रसन्नता जताई। ■

प्रधानमंत्री को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से किया गया सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को एक अगस्त को महाराष्ट्र के पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। लोकमान्य तिलक की विरासत का सम्मान करने के लिए तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा 1983 में इस पुरस्कार की स्थापना गई थी। प्रधानमंत्री ने नकद पुरस्कार की धनराशि 'नमामि गंगे' परियोजना को दान में दी।

श्री मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर लोकमान्य तिलक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोकमान्य तिलक को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि यह उनके लिए एक विशेष दिन है। इस अवसर पर अपनी भावनाओं के बारे में श्री मोदी ने कहा कि आज लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि तथा अन्ना भाऊ साठे की जयंती है।

उन्होंने कहा कि लोकमान्य तिलक जी भारत के स्वतंत्रता संग्राम के 'तिलक' हैं। श्री मोदी ने समाज के कल्याण के लिए अन्ना भाऊ साठे के असाधारण और अद्वितीय योगदान को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने छत्रपति शिवाजी, चापेकर बंधु, ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की भूमि को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने आज लोकमान्य से सीधे जुड़े स्थान और संस्था द्वारा उन्हें दिए गए सम्मान को 'अविस्मरणीय' बताया। श्री मोदी ने काशी और पुणे के बीच समानताओं का उल्लेख किया, क्योंकि दोनों स्थल ज्ञान-

प्राप्ति के केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई पुरस्कार प्राप्त करता है, तो उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं, विशेषकर जब पुरस्कार के साथ लोकमान्य तिलक का नाम जुड़ा हो।

श्री मोदी ने नकद पुरस्कार की धनराशि 'नमामि गंगे' परियोजना को दान करने के अपने फैसले की भी जानकारी दी। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)...................................... (2)......................................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :...................................... दिनांक :...................................... बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे। (हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रगति मैदान (नई दिल्ली) में 26 जुलाई, 2023 को अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी–सह–सम्मेलन केंद्र परिसर 'भारत मंडपम' के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

27 जुलाई, 2023 को सीकर (राजस्थान) में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गांधीनगर (गुजरात) में 28 जुलाई, 2023 को 'सेमीकॉन इंडिया 2023' के उद्घाटन सत्र के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 29 जुलाई, 2023 को भारत मंडपम में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम के दौरान बच्चों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

पुणे (महाराष्ट्र) में 01 अगस्त, 2023 को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

राजकोट (गुजरात) में 27 जुलाई, 2023 को विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 17 अगस्त, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह